कार्तिक कृष्ण पक्ष -9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 117 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
03 नवंबर 2026 मंगलवार

आज का मौसम
28.5 अधिकतम
15.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो


Page-7

एक महीने तक पुलिस को छकाता रहा... 50 हजार का इनाम घोषित था

आगरा में मिला रिटायर्ड IAS का हत्यारा भागने की कोशिश में शार्ट एनकाउंटर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की हत्या के करीब एक महीने बाद मुख्य आरोपी उनके केयर टेकर वरुण कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे आगरा से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार आज सुबह करीब 5 बजे भोपाल लाते समय मुगालिया छाप के पास उसने पुलिस टीम से झूमाझटकी कर भागने की कोशिश की। पुलिस की कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल वरुण को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी को आगरा से भोपाल लाते समय उसने पुलिस टीम से बचकर भागने की कोशिश की। अब उससे पूछताछ कर हत्या की वजह और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं का पता लगाया जाएगा।

राकेश अग्रवाल की हत्या के बाद से ही वरुण फरार था। उसकी तलाश में भोपाल पुलिस की कई टीमें अलग-अलग राज्यों में भेजी गई थीं। पुलिस ग्वालियर, मथुरा, वृंदावन और पंजाब सहित कई जगह दबिश दे चुकी थी। जांच के दौरान आरोपी के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए थे, लेकिन वह लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी में देरी और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने एसआईटी गठित की थी। इसकी कमान पुलिस मुख्यालय में पदस्थ एआईजी उमेश तिवारी को सौंपी गई थी। फरार वरुण पर 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था।

आईएएस एसोसिएशन ने उठाया था मुद्दा

रिटायर्ड आईएएस अधिकारी की हत्या के बाद आरोपी की गिरफ्तारी में देरी का मुद्दा आईएएस एसोसिएशन ने उठाया था। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने पहले मुख्य सचिव और फिर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की थी। उन्होंने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और प्रभावी कार्रवाई की मांग की थी। है प्रोफ़ाइल मामले में सफलता नहीं मिलने के कारण पुलिस की किरकिरी हो रही थी ।

पैर में लगी गोली, हमीदिया अस्पताल में भर्ती



एनकाउंटर स्थल की जांच करती पुलिस और अस्पताल में घायल आरोपी वरुण। **इनसेट** में मृतक पूर्व आईएएस राकेश अग्रवाल।

30 सितम्बर को गला रेतकर की थी हत्या

गौरतलब है कि 30 सितंबर की सुबह रातीबड़ क्षेत्र के सूरज नगर स्थित निवास पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल का खून से लथपथ शव मिला था। उनके शरीर पर धारदार हथियारों के कई गंभीर निशान थे। घटना के बाद घर के अंदर की अलमारियों के ताले टूटे हुए मिले थे और घर से नकदी, कीमती जेवरात व मोबाइल फोन गायब थे। पुलिस की शुरुआती जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मृतक के घर पर काम करने वाले केयरटेकर वरुण कुमार पर शक की सुई घूमी थी, जो घटना के बाद से ही लगातार फरार चल रहा था। पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं, लेकिन वह मिल नहीं पा रहा था। आरोपी के पास मोबाइल फोन नहीं था, इस वजह से उसकी लोकेशन पता करने में पुलिस को परेशानी आ रही थी। हत्या के बाद वो ट्रेन से आगरा पहुंचा था और रिटायर्ड आईएएस का मोबाइल अपने दोस्त को दे दिया था। बाद में पूरे मामले को लेकर एसआइटी का बनाई गई और आखिरकार आगरा से उसकी गिरफ्तारी के बाद इस हत्याकांड का राजफाश होने की दिशा में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिल गई है।

30 पलाइट्स कैंसिल, डेढ़ लाख लोगों का रेस्क्यू



आंध्र तट से टकराया मुरासु तूफान से सड़कें डूबीं, वाहन फंसे

- जबलपुर समेत 23 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट

हैदराबाद/भुवनेश्वर। चक्रवाती तूफान मुरासु सोमवार देर रात आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। सुबह 5:30 बजे इसने ओंगोल के पास तट पार किया। इस दौरान 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तूफान से विजयवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हुई। तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए, सैकड़ों बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए और नावों को नुकसान पहुंचा। जलभराव से सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए।

आंध्र प्रदेश के तीन एयरपोर्ट से 19 और चेन्नई से 11 उड़ानें रद्द की गईं। पांच राज्यों में एनडीआरएफ की 37 टीमें तैनात हैं, इनमें 13 आंध्र प्रदेश में हैं। मौसम विभाग ने गुंटूर, बापटला, कृष्णा, नेल्लोर और प्रकाशम के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा जताया है। ओडिशा के पांच जिलों से 1.6 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। आंध्र प्रदेश के कई जिलों में एहतियात के तौर पर आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल और कॉलेज बंद रखे गए हैं । मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी तूफान का असर पड़ने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश में 3 दिन तक इसका असर देखने को मिल सकता है। आज जबलपुर समेत 23 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

केदारनाथ में तापमान माइनस 8°C पर

देहरादून। उत्तराखंड के केदारनाथ में सोमवार को हुई बर्फबारी के बाद आज सुबह का तापमान माइनस 8एष्ट से नीचे पहुंच गया है। ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ने से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। नैनीताल और चमोली जिले में आज बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के बाकी सभी जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। उत्तरप्रदेश में 3 दिन लगातार हुई बारिश के बाद ठंड शुरू हो गई है ।

न्यूज विंडो

ऑस्ट्रेलिया: ग्लेन मैक्सवेल का इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं खेलेंगे। 38 साल के मैक्सवेल ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। वे जून 2025 में वनडे क्रिकेट को भी अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने लिस्ट-A और फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से भी संन्यास लिया है। हालांकि, वे मेलबर्न स्टार्स के लिए बिग बैश लीग खेलते रहेंगे। टीम के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट 2027-28 सीजन तक है। वे IPL में भी खेल सकते हैं। मैक्सवेल ने आखिरी इंटरनेशनल मैच फरवरी 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप में ओमान के खिलाफ खेला था। यह ऑस्ट्रेलिया का आखिरी ग्रुप मैच था। वे टी-20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 5 शतक दर्ज हैं।



यमन में सरकार पर खतरा अदन के दरवाजे पहुंचे हूती

अदन। ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अदन से बस 80 किमी दूरी पर हैं। साल 2015 में सना पर हूतियों का कब्जा होने के बाद से यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार अदन से ही चल रही है। हूतियों की इस बढ़त से सऊदी अरब के समर्थन वाली यमन की सरकार पर खतरा मंडराने लगा है। साल 2015 के बाद से हूती अदन के इतने करीब कभी नहीं पहुंचे थे। उस दौरान युद्ध के शुरुआती समय में हूती लड़ाके कुछ समय के लिए शहर में घुस गए थे, लेकिन बाद में उन्हें वहां से खदेड़ दिया गया। हूतियों के हमले से पहले से ही चल रहे अमेरिका और ईरान के युद्ध में नया मोर्चा खुल गया है।

नेपाल में लैंडिंग के दौरान हुआ हादसा

एवरेस्ट एरिया में दो हेलिकॉप्टर टकराए, भारतीय पर्यटक की मौत

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में आज सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे। हादसा सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हुई है। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं। वे भारतीय मूल के हैं।



अधिकारियों के मुताबिक एक हेलिकॉप्टर लुकला से आ रहा था, जबकि दूसरा एवरेस्ट बेस कैंप के पास गोरक्षेप की तरफ से लौट रहा था। दोनों अलग-अलग दिशाओं से एक ही जगह उतरने की कोशिश कर रहे थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हेलीपैड पर बर्फ जमी होने के कारण भी यह स्थिति बनी हो सकती है। हालांकि, हादसे की असली वजह की पुष्टि नहीं हुई है। शैलेश को हेलिकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू कर काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक पर्यटक का शव लुकला के अस्पताल ले जाया गया, जो फेरीचे एवरेस्ट क्षेत्र में स्थित है। यहां आने-जाने के लिए हेलिकॉप्टर सेवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। हादसे के समय दोनों हेलिकॉप्टरों में कुल कितने लोग सवार थे, यह अभी साफ नहीं है।

ईरान का अमेरिका के जासूसी ड्रोन गिराने का दावा

अमेरिका में वोटिंग से कुछ घंटे पहले ईरान के केश्म द्वीप पर बड़ा हमला

तेहरान , एजेंसी

अमेरिका में आज मिडटर्म चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। इससे पहले ईरान के केश्म द्वीप पर कम से कम पांच जोरदार धमाके हुए। कुछ दूर पर बंदर लेंगेह शहर में भी विस्फोट की खबर है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि यह हमला अमेरिका ने किया है। हालांकि, ईरानी मीडिया ने इसके पीछे अमेरिका या इजराइल का हाथ होने की पुष्टि नहीं की है। उसने अमेरिका के दो MQM-170 जासूसी ड्रोन मार गिराने का



दावा किया है। केश्म द्वीप करीब 1,445 वर्ग किलोमीटर में फैला, ईरान का सबसे बड़ा द्वीप है। यह कभी फ्री-ट्रेड जोन और टूरिस्ट स्पॉट के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह एक बड़े सैन्य ठिकाने में बदल चुका है। होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश द्वार पर मौजूद यह द्वीप रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। अमेरिका इसे कई वजहों से बड़ा सैन्य खतरा मानता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केश्म द्वीप के नीचे सुरंगों और नमक की गुफाओं का बड़ा नेटवर्क है। यहां ईरान ने तटीय मिसाइल सिस्टम और तेज हमला करने वाली नौकाएं छिपाकर रखी हैं। समुद्री रास्तों पर नियंत्रण के लिए अहमः द्वीप के अंदर ईरान ने ऐसे सैन्य ठिकाने बनाए हैं। जिनका मकसद समुद्री रास्तों पर नियंत्रण रखना है।

प्रदेश को मिले 48 नए डीएसपी



भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल स्थित केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी (भौंरी) में आज उप पुलिस अधीक्षकों (डीएसपी) के 44वें और 45वें बैच का दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समारोह में शामिल होकर परेड की सलामी ली और परेड कमांडर से परिचय प्राप्त कर अनुशासित परेड का निरीक्षण किया। समारोह में कुल 48 डीएसपी अधिकारी पास आउट हुए। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को बधाई देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया।

एक्टर तुषार कपूर से मांगी पांच करोड़ रुपए की फिरौती

मुंबई, एजेंसी । बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर को कथित तौर पर लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के नाम से फोन आया। फोन करने वाले ने 5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। तुषार ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी। इसके बाद जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है। क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम ने धमकी भरे कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की। हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो सैंपल मिलान पर मैच नहीं हुआ।



आज का कार्टून



मेट्रो एंकर | प्रोडक्शन टीम में बढ़ी तकरार, अधिकारों को लेकर जारी हुआ सार्वजनिक नोटिस

दो करोड़ की हनुमान अंश ने कमाए 452 करोड़, अब मुनाफे पर महासंग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

महज 2 करोड़ रुपए के बजट में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर 452.86 करोड़ रुपए की कमाई कर सबको चौंका दिया, लेकिन अब यही कामयाबी निर्माताओं के बीच विवाद की वजह बनती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई, मुनाफे की हिस्सेदारी, व्यावसायिक अधिकारों और प्रचार में तवज्जो को लेकर प्रोडक्शन टीम के भीतर खींचतान हो रही है। अब सार्वजनिक नोटिस जारी कर अधिकारों की स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी है।

प्रोड्यूसर नम्रता जी सिंह और निर्देशक डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने 2 नवंबर को स्वंभू मीडिया नेटवर्क के माध्यम से संयुक्त सार्वजनिक नोटिस जारी किया। इसमें फिल्म के थिएट्रिकल, ओटीटी, ब्रॉडकास्ट, म्यूजिक और अन्य व्यावसायिक अधिकारों को लेकर स्थिति स्पष्ट की गई है। नोटिस के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति अकेले फिल्म से जुड़ी व्यावसायिक डील नहीं कर सकता। ऐसे महत्वपूर्ण फैसलों के लिए सभी चार निर्माताओं की सहमति जरूरी होगी। फिल्म के चार निर्माता नम्रता जी सिंह, डॉ. विशाल चतुर्वेदी, रागिनी सोना और अनुप्रिया नागर हैं। अधिकारों, पब्लिसिटी और पार्टनरशिप से जुड़े बड़े फैसलों में चारों की सहमति को आवश्यक बताया गया है।



कमाई के बाद प्रचार को लेकर विवाद

फिल्म की सफलता के बाद निर्माताओं के बीच सिर्फ कमाई और अधिकारों को लेकर ही नहीं, बल्कि प्रचार के तरीके को लेकर भी मतभेद सामने आने की खबरें हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, टीम के कुछ सदस्यों को शिकायत थी कि एक निर्माता को दूसरे सदस्यों की तुलना में ज्यादा प्रचार और मीडिया में तवज्जो मिल रही है। हालांकि, इस विवाद को लेकर सभी पक्षों की ओर से विस्तृत आधिकारिक स्थिति सामने नहीं आई है। फिल्म के प्रमोशन में प्रमुख चेहरा रहीं 21 वर्षीय अनुप्रिया नागर की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। वह पहले फिल्म निर्माण के अनुभव पर किताब लिखने और अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू करने की इच्छा जता चुकी हैं।

अगले पार्ट पर संकट के बादल!

'हनुमान अंश' की सफलता के बाद इसके अगले भागों के आने को लेकर भी उम्मीदें थीं। लेकिन निर्माताओं के बीच सामने आए मतभेदों ने प्रस्तावित ट्रिलजी के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल अगले पार्ट के निर्माण, अधिकारों और टीम की आगे की रणनीति को लेकर कोई आधिकारिक फैसला सामने नहीं आया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि 452.86 करोड़ की ऐतिहासिक कमाई के बाद फिल्म के अधिकारों और मुनाफे का बंटवारा किस तरह होगा और क्या निर्माता आपसी मतभेद सुलझाकर 'हनुमान अंश' की प्रस्तावित ट्रिलजी को आगे बढ़ा पाएंगे?

जयप्रकाश अस्पताल में व्यवस्थाएं बदलहाल, छत के पैनल भी क्षतिग्रस्त, लोग बोले-भवन का रखरखाव भी ठीक से नहीं कर पा रहा प्रबंधन

रात में लिफ्ट बंद, परिसर में गंदगी..हांफते हुए सीढ़ियां चढ़ने को विवश बुजुर्ग मरीज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में शामिल जयप्रकाश जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाल स्थिति मरीजों और परिजनों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। अस्पताल में रात के समय लिफ्ट बंद रहने, परिसर में गंदगी फैलने और व्यवस्थाओं में लापरवाही के कारण मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल परिसर की दीवारों पर जगह-जगह गुटखा और पान की पीक के निशान दिखाई दे रहे हैं। वहीं, फर्श पर फैली गंदगी और कचरे के ढेर स्वच्छता व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं। अस्पताल की छत के पैनल भी क्षतिग्रस्त नजर आ रहे हैं। इससे भवन के रखरखाव पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सबसे गंभीर समस्या रात के समय लिफ्ट बंद रहने की है। इससे बुजुर्गों, दिव्यांगों, गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं को एक मंजिल से दूसरी मंजिल तक पहुंचने में काफी परेशानी होती है। कई बार मरीजों और उनके परिजनों को सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ता है। लोगों का कहना है कि प्रबंधन रात में भी लिफ्ट का नियमित संचालन करे। साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करे।











न्यूज विंडो

फ्रिज में मिला नीलगाय और जंगली मुर्गे का मांस, गिरफ्त में आरोपी

भोपाल। शाहजहांनाबाद क्षेत्र में वन्य जीवों के अवैध शिकार और मांस की बिक्री मामले में वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने आरोपी शानू मेंगड़ी उर्फ अमान खान को गिरफ्तार कर लिया है। घर की तलाशी में फ्रिज से जब्त कच्चे मांस की फॉरेंसिक जांच में वन्यजीवों-नील गाय, जंगली मुर्ग (रेड जंगल फाउल) के मांस की पुष्टि हुई है। 24 नवंबर 2025 को सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत में आरोपी पर वन्य जीवों के शिकार, अवैध हथियार रखने के आरोप लगाए गए थे। उप वन मंडलाधिकारी के सर्च वारंट पर 10 फरवरी को पुलिस और वन टीम ने कच्चा मांस, चर्बी बरामद की।

पटाखा बाजार में अग्निशमन यंत्र न मिलने पर सभी दुकानदारों को नोटिस

भोपाल। हलालपुर पटाखा बाजार में अग्नि सुरक्षा के इंतजामों में गंभीर खामियां मिली हैं। कई दुकानों पर अग्निशमन यंत्र कम, रेत की बाल्टियां गायब व कहीं उनमें कचरा भरा था। बाजार का आपातकालीन द्वार बंद मिला। दुकानों के आसपास गत्ते, टायर, कागज जैसे ज्वलनशील पदार्थ रखे थे। नगर निगम ने इन लापरवाहियों पर सभी पटाखा कारोबारियों को नोटिस जारी कर व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने को कहा। फायर ब्रिगेड अफसरों द्वारा दुकानों की जांच में खुले बिजली के तार, अग्निशमन में अपर्याप्त पानी, सुरक्षा उपकरणों की कमी भी सामने आई। वहीं, कोतवाली रोड में तीन दुकानों पर जांच में नियमों के विपरीत रखे पटाखे, विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। जब्त सामग्री की कीमत 6.47 लाख है। धनराज भटेजा लालघाटी से करीब 3.20 लाख की सामग्री बरामद की। वहीं, सुनील भटेजा से 3.17 लाख और अलताफ अनवर खान से 10 हजार रुपए के पटाखे जब्त किए। तीनों पर बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किए गए हैं।

जिला बदर का आदेश नहीं माना, शहर में छिपा रहा, आरोपी को 6 माह जेल

भोपाल। पुलिस कमिश्नर के जिला बदर के आदेश का उल्लंघन कर शहर में रहने वाले आरोपी अरशद उर्फ अरमान डॉक्टर निवासी छोला मंदिर को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राहुल सिंह यादव ने दोषी करार दिया है। उसे 6 माह के कठोर कारावास, 1000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। शासन से मामले में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी नीरज भार्गव ने पैरवी की। आरोपी को पुलिस कमिश्नर ने 30 जून 2025 को जिला भोपाल व अन्य जिलों विदिशा, सीहोर, रायसेन, राजगढ़ की सीमाओं से जिलाबदर किए जाने के आदेश दिए थे। आरोपी आदेश का उल्लंघन कर भोपाल शहर में ही छुपकर रह रहा था।

गिरवी रखे जेवर हड़पने वाले स्वर्णकार को तीन साल की सजा

भोपाल। सोने के जेवर गिरवी रखकर उन्हें हड़पने के मामले के आरोपी स्वर्णकार हमीर सिंह लोधी पिता स्व. श्रीकिशन लोधी (45) निवासी पंचवटी कॉलोनी थाना निशातपुरा को 22वें अपर सत्र न्यायाधीश मयंक कुमार शुक्ला ने दोषी करार देते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास और 12000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। मामले की सहआरोपी हमीर सिंह लोधी की पत्नी रेखा लोधी को सबूतों में कमी के चलते बरी कर दिया। फरियादी प्रमोद सेन ने थाना निशातपुरा में आरोपी लोधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने आरोपी की सुनार की दुकान में 17 जनवरी 2023 को अपनी पत्नी के सोने के जेवर गिरवी रखकर उससे 8 लाख रूपए उधार लिए थे। जब फरियादी उधारी के रुपए अदा करने गया तो लोधी ने गहने देने से मना कर दिया।

डॉ. रेणु श्रीवास्तव को स्व. डॉ. पूरनचन्द्र श्रीवास्तव स्मृति सम्मान



भोपाल। साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. रेणु श्रीवास्तव को अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था कादम्बरी, जबलपुर द्वारा स्व. डॉ. पूरन चन्द्र श्रीवास्तव स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उनकी साहित्यिक कृति 'बुन्देली गीता' के लिए दिया गया। इस मौके पर डॉ. रेणु श्रीवास्तव को लोकभाषा सम्मान के तहत 2100 रुपये की सम्मान राशि, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। उनकी कृति 'बुन्देली गीता' में श्रीमद्भगवद्गीता के आध्यात्मिक और दार्शनिक संदेशों को बुन्देली लोकभाषा में प्रस्तुत किया गया है। यह प्रयास भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और लोकभाषा की समृद्ध परंपरा को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

मिसरोद के आरटीआई एक्टिविस्ट को फोन कर बुलाया, किया हमला

क्षेत्र की समस्याएं दिखाईं..पार्षद के परिजनों ने किया जानलेवा हमला

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मिसरोद स्थित संजय नगर में नाली की सफाई का वीडियो सोशल मीडिया पर डालना आरटीआई एक्टिविस्ट को भारी पड़ा। वीडियो वायरल होने से नाराज पार्षद पति ने युवक को देर रात 12 बजे फोन कर रामलीला मैदान बुलाया। घेरकर मारपीट की। बेटे को बचाने पहुंचे 60 वर्षीय पिता को भी डंडे से पीटा, जिससे उनके माथे पर चोट आई और खून निकलने लगा। मामले में पूर्व पार्षद रामबाबू पाटीदार समेत कई लोगों पर मारपीट के आरोप लगे हैं।

पुलिस के अनुसार, मुरलीधर पाटीदार (60) संजय नगर में रहते हैं और खेती करते हैं। उनके गुरुजी गिरीश शर्मा के घर की नाली चोक हो गई थी। गुरुजी नाली साफ कर रहे थे, तभी एक्टिविस्ट बेटे अजय पाटीदार ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद रामबाबू पाटीदार नाराज हो गए। आरोप है कि उन्होंने रात करीब 12 बजे अजय को फोन कर रामलीला मैदान बुलाया। रामबाबू की पत्नी और बेटे ने भी फोन कर उसे वहां आने के लिए कहा। अजय के पिता के मुताबिक, सुबह करीब 9 बजे अजय हनुमान मंदिर से रामलीला मैदान की ओर आ रहा था। मैदान के पास रामबाबू पाटीदार, उनके भाई रामानंद पाटीदार, नरेश पाटीदार और अमन पाटीदार ने उसे रोक लिया। उन्होंने नाली साफ कराने को लेकर सवाल करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि विरोध करने पर रामबाबू और रामानंद ने अजय को हाथ-मुक्कों से पीटा और जमीन पर गिराकर जूते-लात मारी। उसका गला दबाने का भी आरोप है।





बेटे को बचाने पहुंचे पिता के सिर पर मारे डंडे

मुरलीधर पाटीदार के मुताबिक, वे खेत की तरफ जा रहे थे। बेटे को पिटता देख बीच-बचाव करने पहुंचे तो नरेश का बेटा अंशुल और रामबाबू का बेटा अमन भी वहां आ गए। आरोप है कि नरेश पाटीदार ने उनके सिर पर डंडा मार दिया, जिससे खून निकलने लगा। रामबाबू के बड़े भाई के बेटे निखिल पर भी मारपीट का आरोप लगाया गया है। अजय की मानें तो घटना का करीब दो सेकंड का वीडियो उनके पास है। इसमें उन्हें जमीन पर गिराकर लातों से मारते हुए देखा जा सकता है।

वर्तमान पार्षद के पति हैं रामबाबू

अजय के मुताबिक, रामबाबू पाटीदार पूर्व पार्षद रह चुके हैं। उनकी पत्नी शीला रामबाबू पाटीदार वर्तमान में वार्ड 52 से भाजपा की पार्षद हैं। इलाके की गड़बड़ी को वे उजागर करते रहे हैं। इससे पार्षद नाराज थीं। इसी वजह से मारपीट की गई। मामले में पार्षद पति पर भी आरोप लगाए गए हैं।

मिसरोद में 45 मीटर चौड़ी सड़क का भी किया विरोध

भोपाल मास्टर प्लान 2047 के ड्राफ्ट में मिसरोद की घनी ग्राम आबादी के बीच से प्रस्तावित 45 मीटर चौड़ी सड़क को लेकर भी अजय पाटीदार ने विरोध जताया था। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने कार रैली निकालकर नगर तथा ग्राम निवेश (टीएंडसीपी) में आपत्तियां दर्ज कराईं। जगह-जगह पोस्टर भी चिपकाए कि जब तक सड़क हटेगी नहीं, तब तक किसी को वोट नहीं और राजनीतिक व्यक्तियों का प्रवेश निषेध है। अजय पाटीदार ने बताया था किइस प्रस्तावित मार्ग से सैकड़ों मकान, उपजाऊ कृषि भूमि, आजीविका, जल स्रोत और सामाजिक ताना-बाना पूरी तरह तबाह हो जाएगा। पूरे घटना को इस मामले से भी जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि इस मामले की मारपीट में पुष्टि फिलहाल नहीं की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चयनित फर्मों को 10 साल का लाइसेंस

मेट्रो स्टेशनों पर खुलेंगी दुकानें और फूड आउटलेट 4630 वर्गमीटर जगह तय



बैरसिया। दोपहर मेट्रो

राजधानी के मेट्रो स्टेशन जल्द ही व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र बनेंगे। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने भोपाल के साथ इंदौर के भी पांच स्टेशनों पर दुकानें और फूड आउटलेट खोलने के लिए कुल 4630 वर्गमीटर जगह चिह्नित की है। यहां अगले छह महीने में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। कॉर्पोरेशन का दावा है कि इससे जहां आय होगी, वहीं युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

दोनों शहरों की बात करें तो इस पहल से करीब 10 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। भोपाल के दो मेट्रो स्टेशनों पर 3230 वर्गमीटर जगह के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। इसमें बोर्ड ऑफिस स्टेशन पर 710 वर्गमीटर और सुभाष नगर स्टेशन पर 2520 वर्गमीटर जगह उपलब्ध कराई जाएगी। ऑनलाइन बोली जमा करने की अंतिम तारीख 16 नवंबर तय की गई है। वहीं, 17 नवंबर को टेंडर खोले जाएंगे।

चयनित फर्मों को 10 साल का लाइसेंस दिया जाएगा। इसमें शुरुआती दो साल का लॉक-इन पीरियड रहेगा, यानी इस अवधि में फर्म आवंटित जगह नहीं छोड़ सकेंगी। इसके बाद भी जगह खाली करने के लिए 180 दिन पहले नोटिस देना होगा। आंशिक रूप से जगह लौटाने की अनुमति नहीं होगी। लाइसेंस शुल्क में हर साल पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। बोलीदाता प्रति वर्गमीटर मासिक लाइसेंस शुल्क की पेशकश करेंगे।

इंदौर में 1400 वर्गमीटर जगह की गई चिह्नित

बताया जा रहा है कि इंदौर में आईएसबीटी, हीरानगर और बापट मेट्रो स्टेशन पर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए 1400 वर्गमीटर जगह चिह्नित की गई है। इन स्थानों के लिए जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे।

600 मकानों में 110 वैध आवंटी, सहमति देने वाले पात्रों को मिलेगा किराया

ऐशबाग में 600 जर्जर मकानों पर चलेगा बुलडोजर, खाली करने दिया अल्टीमेटम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ऐशबाग स्थित हाउसिंग बोर्ड के 600 जर्जर ईडब्ल्यूएस मकानों को तोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। हाउसिंग बोर्ड ने रहवासियों को 13 नवंबर तक मकान खाली कर सामान हटाने का अंतिम नोटिस जारी किया है। इसके अगले दिन यानी 14 नवंबर को भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। खास यह है कि कुल 600 मकानों में से केवल 110 के ही वैध मूल आवंटी हैं, शेष490 मकानों पर अनधिकृत कब्जे हैं।

हाउसिंग बोर्ड संभाग क्रमांक-3 ने स्पष्ट किया है कि तय सीमा के बाद भवनों में रहना या सामान रखना प्रतिबंधित रहेगा। मकान खाली करने के लिए सहमति पत्र देने वाले वैध आवंटियों को नियमानुसार कलेक्टर दर पर मासिक किराया दिया जाएगा। यह राशि मकान खाली करने के बाद निर्माण अवधि तक मिलेगी।

2016 में ही घोषित किए जा चुके हैं खतरनाक

ये ईडब्ल्यूएस भवन लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। नगर निगम ने मई 2016 में ही सभी 600 मकानों को खतरनाक घोषित किया था। इसके बाद 2018 में भी मकान खाली करने के नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। अब हाउसिंग बोर्ड ने ध्वस्तीकरण की तारीख तय कर दी है। 14 नवंबर को पुलिस व नगर निगम के अमले की मौजूदगी में कार्रवाई होगी।

20 प्रतिशत बड़े मिलेंगे नए फ्लैट

पुनर्वास नीति-2022 के तहत इस पूरी कॉलोनी का पुनर्वास होगा। पुराने भवनों को हटाकर मॉडर्न सुविधाओं वाले बहुमंजिला आवासीय परिसर बनाए जाएंगे। वैध आवंटियों को मौजूदा मकान के मुकाबले 20 प्रतिशत बड़े नए फ्लैट दिए जाएंगे।

फर्जी आईडी से होटल में ठहरने वालों पर नजर, मेहमानों का सत्यापन ऑनलाइन

होटल और थानों को साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की तैयारी, एमपी नगर के होटलों से शुरुआत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

होटलों में फर्जी पहचान पत्रों के इस्तेमाल पर रोक लगाने और मेहमानों का सत्यापन आसान बनाने के लिए भोपाल पुलिस ऑनलाइन सिस्टम तैयार कर रही है। इस व्यवस्था के तहत होटल चेक-इन के समय मेहमानों के पहचान संबंधी दस्तावेज एक पोर्टल पर अपलोड करेंगे। संबंधित पुलिस थाने को इन रिकॉर्ड तक तत्काल पहुंच मिल सकेगी। शुरुआत में एमपी नगर के होटलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसे लागू किया जाएगा। इसके प्रदर्शन के आधार पर शहरभर में विस्तार की योजना है।

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के मुताबिक ऑनलाइन सत्यापन प्रणाली का विकास अंतिम चरण में है। इसे पुलिस मुख्यालय और एक निजी सॉफ्टवेयर कंपनी की मदद से तैयार किया जा रहा है। यह प्लेटफॉर्म होटलों और संबंधित पुलिस थानों को एक साझा डिजिटल सिस्टम से जोड़ेगा। इससे मेहमानों के चेक-इन और चेक-आउट की जानकारी पुलिस को रियल टाइम में मिल सकेगी। पोर्टल में पहचान दस्तावेजों का सत्यापन करने और संदिग्ध रिकॉर्ड की पहचान करने की सुविधा होगी। इससे फर्जी पहचान पत्रों के आधार पर होटलों में ठहरने वालों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

अभी दस्तावेजों के प्रमाणीकरण की कोई व्यवस्था नहीं

अभी होटल मेहमानों के पहचान दस्तावेज तो जमा करते हैं, लेकिन उनकी प्रामाणिकता जांचने की प्रभावी डिजिटल व्यवस्था नहीं है। कई बार होटलों से मेहमानों का रिकॉर्ड भी पुलिस को समय पर नहीं मिल पाता। नई व्यवस्था लागू होने के बाद पुलिसकर्मियों को रिकॉर्ड जांचने के लिए बार-बार होटलों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जरूरत पड़ने पर अधिकारी ऑनलाइन ही जानकारी देख सकेंगे। इससे समय बचेगा और होटलों में फर्जी पहचान के इस्तेमाल पर निगरानी मजबूत होगी। बता दें, अपराध पर नियंत्रण करने के लिए बाहर से आने वालों के बारे में पुलिस पुख्ता जानकारी रखना चाहती है। इसलिए नई व्यवस्था की जा रही है।

मेट्रो एंकर

6 नवंबर को धनतेरस से होगी पर्वों की शुरुआत, 10 को गोवर्धन पूजा और 11 को भाईदूज

छह दिन तक दीपोत्सव, 8 को दीपावली पर लक्ष्मी पूजन का विशेष संयोग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीपों का पर्व दीपावली इस बार छह दिनों तक मनाया जाएगा। तिथियों के घटने-बढ़ने और पंचांग की गणना के चलते इस बार दीपोत्सव के पारंपरिक क्रम में बदलाव देखने को मिलेगा। पर्वों की शुरुआत 6 नवंबर को धनतेरस से होगी, जबकि 8 नवंबर को दीपावली मनाई जाएगी। इसके बाद 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 11 नवंबर को भाईदूज का पर्व मनाया जाएगा। खास बात यह है कि दीपावली पर प्रदोष काल के साथ स्थिर लग्न का संयोग बन रहा है, जिसे मां लक्ष्मी की आराधना के लिए शुभ माना गया है। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पं. रामजीवन दुबे के अनुसार, इस बार 8 नवंबर को अमावस्या तिथि के साथ प्रदोष काल और वृषभ स्थिर लग्न का संयोग रहेगा। अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह 11.28 बजे शुरू होकर 9 नवंबर को दोपहर 12.31 बजे तक रहेगी। ऐसे में 8 नवंबर को अमावस्या के दौरान शाम और रात्रि में लक्ष्मी पूजन के लिए अनुकूल समय रहेगा। ज्योतिषाचार्यों ने इसी पंचांग गणना के आधार पर 8 नवंबर को दीपावली मनाने का निर्णय बताया है।



लक्ष्मी पूजन: शाम 5.54 से 7.50 बजे तक शुभ मुहूर्त

पं. रामजीवन दुबे के अनुसार, 8 नवंबर को लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 5.54 से 7.50 बजे तक रहेगा। वहीं, प्रदोष काल शाम 6.02 से रात 8.34 बजे तक रहेगा। इस दौरान वृषभ लग्न का संयोग भी रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार स्थिर लग्न में मां लक्ष्मी का पूजन करने से घर में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की वृद्धि होती है। वहीं, रात्रि में विशेष पूजा व तंत्र साधना करने वाले श्रद्धालुओं के लिए निशीथ काल का मुहूर्त रात 11.39 से 12.31 बजे तक रहेगा। इस अवधि में अमावस्या तिथि रहेगी। दीपावली पर घरों- प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, दीपदान, गणेश-लक्ष्मी पूजन व अनुष्ठान होंगे।

भाईदूज की तारीख बदली

इस बार अमावस्या के बाद प्रतिपदा तिथि 9 नवंबर को दोपहर 12.31 बजे शुरू होगी। प्रतिपदा तिथि के दोपहर में शुरू होने से गोवर्धन पूजा 10 नवंबर को होगी।

पर्वों का कार्यक्रम

6 नवंबर, धनतेरस: सुबह 10.30 बजे शुरू।
7 नवंबर, रूप चतुर्दशी: सुबह 10.38 बजे शुरू होकर 8 नवंबर को सुबह 11.28 बजे।
8 नवंबर, दीपावली: अमावस्या तिथि सुबह 11.28 बजे शुरू। इसी दिन दीपोत्सव व लक्ष्मी पूजन।
9 नवंबर, रामा-श्यामा: अमावस्या दोपहर 12.31 बजे तक रहेगी। इसके बाद प्रतिपदा शुरू होगी।
10 नवंबर, गोवर्धन पूजा और 11 नवंबर, भाईदूज।

प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला, बैतूल में जनजातीय इतिहास को मिलेगा नया मंच

हर साल 24 लाख की दो 'वीर भारत' फैलोशिप उज्जैन में आकार लेगा भव्य वीर भारत संग्रहालय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में भारतीय इतिहास, संस्कृति और गौरवशाली विरासत को नई पहचान देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश में इतिहास, संस्कृति, कला, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले महान चिंतकों एवं व्यक्तित्वों पर शोध को प्रोत्साहित करने के लिए %वीर भारत% फैलोशिप शुरू की जाएगी। इसके तहत हर साल दो अध्येताओं को 12-12 लाख रुपये की फैलोशिप दी जाएगी। यह राशि एक वर्ष की अवधि के लिए मिलेगी। वहीं, बैतूल में केंद्र सरकार के सहयोग से आरण्यक युगयुगीन जनजातीय संग्रहालय और उज्जैन के कोठी महल में वीर भारत संग्रहालय स्थापित करने की योजना को भी मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में वीर भारत न्यास की कार्यकारी समिति की बैठक में इन प्रस्तावों का अनुमोदन किया। बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र भावसिंह लोधी वर्चुअली शामिल हुए।

इतिहास, संस्कृति और विज्ञान को मिलेगा महत्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्राचीन से आधुनिक इतिहास के महत्वपूर्ण आयामों, राष्ट्र स्वरूप के निर्माण में योगदान देने वाले चिंतकों, कलाकारों और वैज्ञानिकों से जुड़ी गतिविधियों तथा देश-प्रदेश की संस्कृति पर शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। इसी उद्देश्य से वीर भारत फैलोशिप प्रदान की जाएगी। प्रतिवर्ष दो अध्येताओं का चयन होगा और प्रत्येक को एक वर्ष के लिए 12 लाख रुपये दिए जाएंगे। इस पहल से भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पहलुओं पर गंभीर शोध को प्रोत्साहन मिलेगा।



उज्जैन के कोठी महल में बनेगा वीर भारत

बैठक में उज्जैन के कोठी महल में स्थापित किए जा रहे वीर भारत संग्रहालय के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की वीरता को केवल युद्धों और योद्धाओं की कहानियों तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। दुनिया को भारत की आंतरिक शक्ति, विचार, एकजुटता, प्रश्न करने की परंपरा, त्याग, रक्षा और सृजन क्षमता से परिचित कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय में योद्धाओं के साथ ऋषियों, शिक्षकों, गणितज्ञों, समाज सुधारकों, विधि निर्माताओं और तीर्थ यात्रियों के योगदान को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारत के गौरवशाली और पराक्रमी अतीत से परिचित कराना है।

बैतूल में जनजातीय इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन की गैलरी

बैतूल में केंद्र सरकार के सहयोग से आरण्यक युगयुगीन जनजातीय संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। इसमें जनजातीय इतिहास गैलरी, जनजातीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी सामग्री, जनजातीय शोध केंद्र और डिजिटल रिपॉजिटरी विकसित की जाएगी। इससे जनजातीय समाज के ऐतिहासिक योगदान, परंपराओं, संघर्षों और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के साथ नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

2024 से सांस्कृतिक गतिविधियां संचालित कर रहा न्यास

बैठक में बताया गया कि वीर भारत न्यास वर्ष 2024 से सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ी गतिविधियां संचालित कर रहा है। इसके तहत भोपाल में सदानीरा समागम और महाभारत समागम तथा उज्जैन में श्री महाकालेश्वर महोत्सव आयोजित किए गए हैं। न्यास की ओर से फिल्म समारोह, सांगीतिक प्रस्तुतियां और सामाजिक माध्यमों से संबंधित गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, मनीष रस्तोगी और शिवशेखर शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इन पहलों के माध्यम से प्रदेश को भारतीय इतिहास, संस्कृति और विरासत के अध्ययन एवं संरक्षण का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ने पर जोर दिया।

सरकारी स्कूलों में फीकी रहेगी दिवाली की रौनक

शिक्षक कांग्रेस बोला-आधा सत्र बीता, रंगाई-पुताई का फंड नहीं मिला, यूनिफार्म राशि भी अटकी



भोपाल, दोपहर मेट्रो

दीपावली पर प्रदेश के सरकारी स्कूल बेरौनक नजर आएंगे। शैक्षणिक सत्र 2026-27 लगभग आधा बीतने के बाद भी छात्रों की गणवेश राशि और स्कूलों के रखरखाव, स्वच्छता व लिपाई-पुताई के लिए मिलने वाली आकस्मिक निधि जारी नहीं हुई है। राशि के अभाव में जहां छात्र गणवेश से वंचित हैं, वहीं स्कूलों में दीपावली से पहले साफ-सफाई और रंग-रोगन जैसे काम भी नहीं हो पाएंगे। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी ने इस मामले में प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग, आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय और संचालक राज्य शिक्षा केंद्र को पत्र लिखकर राशि जल्द जारी करने की मांग की है। उन्होंने शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री से भी हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। चतुर्वेदी के मुताबिक, पहले स्कूलों को सत्र की शुरुआत में ही राशि मिल जाती थी। इससे विद्यालयों में समय पर जरूरी व्यवस्थाएं की जा सकती थीं और दीपावली से पहले रंग-रोगन भी हो जाता था। इस बार राशि नहीं मिलने से सरकारी स्कूलों में त्योहार की रौनक फीकी रहेगी। गणवेश की राशि नहीं मिलने से विद्यार्थियों को भी परेशानी हो रही है।

ऑनलाइन व्यवस्था में बदलाव से अटकी राशि

शिक्षक कांग्रेस ने राशि जारी होने में देरी के लिए शासन की नीतियों और प्रक्रिया में बार-बार बदलाव को जिम्मेदार बताया है। चतुर्वेदी का कहना है कि पहले पालक-शिक्षक संघ के माध्यम से ऑफलाइन राशि वितरित की जाती थी। बाद में व्यवस्था को ऑनलाइन और डिजिटल प्रक्रिया में बदला गया, लेकिन यह व्यवस्था सफल नहीं हो सकी। इसके बाद फिर से ऑफलाइन प्रक्रिया के जरिए राशि वितरण की योजना बनाई गई। शिक्षक कांग्रेस का आरोप है कि स्थायी नीति के अभाव में बार-बार बदलाव से ऐसी विसंगतियां पैदा हो रही हैं, जिसका खामियाजा स्कूलों और विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। शिक्षक कांग्रेस ने मांग की है कि गणवेश की राशि विद्यार्थियों के खातों में और आकस्मिक निधि स्कूलों तक तत्काल पहुंचाई जाए, ताकि इसका उपयोग संबंधित जरूरतों में किया जा सके। संगठन का कहना है कि आगामी शैक्षणिक सत्रों में यह राशि सत्र शुरू होने के साथ ही स्वीकृत और जारी की जाए, जिससे उसका समय पर और शत-प्रतिशत उपयोग हो सके।

एमपी में नियमित कर्मियों का बढ़ा महंगाई भत्ता, संविदा वाले फिर रह गए पीछे

NHM समेत कई विभाग के कर्मचारी नाराज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकार ने नियमित कर्मचारियों का महंगाई भत्ता दो प्रतिशत बढ़ा दिया है, लेकिन इस फैसले से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) समेत कई विभागों में सालों से काम कर रहे हजारों संविदा कर्मचारियों में नाराजगी है। नियमित कर्मचारियों को डीए, वेतन वृद्धि, बोनस और दूसरी सुविधाएं मिल रही हैं, वहीं संविदा कर्मचारी आज भी अपने हक के लिए लड़ रहे हैं।

नियमित कर्मचारियों जैसा ही काम लिया जाता है- कर्मचारी- संविदा कर्मचारियों का कहना है कि उनसे नियमित कर्मचारियों जैसा ही काम लिया जाता है। योजनाओं, राष्ट्रीय कार्यक्रमों और जनहित की सेवाओं की बड़ी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर होती है, लेकिन जब लाभ देने की बारी आती है, तो उन्हें संविदा बताकर अलग कर दिया जाता है। नीतियां, आदेश और आश्वासन तो बहुत मिलते हैं, लेकिन जमीन पर उनका फायदा नहीं पहुंचता। ऐसा लगता है कि संविदा नीतियां सिर्फ कागजों तक ही रह गई हैं।

संविदा कर्मचारी दोयम दर्जे के नहीं, मिले सम्मानजनक अधिकार- ममता हिरवे ने कहा कि संविदा कर्मचारी दोयम दर्जे के नहीं हैं। वे भी शासन व्यवस्था का अहम हिस्सा हैं और अपनी मेहनत से योजनाओं को सफल बना रहे हैं। अब उन्हें सिर्फ आश्वासन नहीं, असली आर्थिक लाभ और सम्मानजनक अधिकार मिलने चाहिए।

महंगाई किसी का पद देखकर नहीं बढ़ती: ममता हिरवे



राष्ट्रीय मानवाधिकार न्याय आयोग संगठन की प्रांत प्रमुख ममता हिरवे ने कहा कि महंगाई किसी का पद या नियुक्ति का तरीका देखकर नहीं बढ़ती। बाजार में खाना, शिक्षा, स्वास्थ्य, मकान और रोज की जरूरतों के दाम सबके लिए एक जैसे बढ़े हैं, फिर मार सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर क्यों? क्या उनका परिवार महंगाई से प्रभावित नहीं होता? उन्होंने सरकार से मांग की है कि संविदा कर्मचारियों को भी महंगाई के हिसाब से राहत और डीए का लाभ मिले, दीपावली जैसे त्योहारों पर बोनस या सहायता राशि दी जाए, सालों से काम कर रहे कर्मचारियों के वेतन में सम्मानजनक वृद्धि हो, ग्रेड-पे और वेतनमान की गड़बड़ी दूर हो और नीतियों का असली लाभ सभी पात्र कर्मचारियों तक पहुंचे। साथ ही उनकी सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा भी पक्की की जाए।

सौरभ शर्मा कांड के बाद भी नहीं सुधरी परिवहन विभाग की छवि

अब दागी कर्मचारियों की खुलेगी कुंडली शिकायत सेल को भी किया जाएगा सक्रिय

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर लगातार सामने आ रहे मामलों ने एक बार फिर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के चर्चित मामले के बाद उम्मीद थी कि विभाग की छवि में सुधार होगा और मैदानी स्तर पर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, लेकिन हालात अब भी पूरी तरह नहीं बदले हैं। चेक पोस्टों पर वसूली से लेकर ड्यूटी के दौरान मनमानी और वाहन चालकों से दुर्व्यवहार की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में अब परिवहन विभाग ने अपनी छवि सुधारने के लिए दागी और विवादित कर्मचारियों की कुंडली तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है।

परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ऐसे कर्मचारियों की सूची तैयार कराने की जिम्मेदारी खुद संभाली है, जिनके खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इस अभियान की शुरुआत ग्वालियर से की गई है। इसके बाद डबरा और दतिया में भी शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की गई है। विभाग का उद्देश्य ऐसे कर्मचारियों को चिह्नित करना है, जिनकी कार्यशैली से विभाग की छवि खराब हो रही है। शिकायतों की गंभीरता के आधार पर संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई भी की जा रही है।

परिवहन विभाग की बदनामी की सबसे बड़ी वजह लंबे समय से चेक पोस्टों पर होने वाली कथित अवैध वसूली रही है। लगातार शिकायतों के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चेक पोस्ट व्यवस्था बंद कर उन्हें चेक प्वाइंट के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया था।



डबरा में मोबाइल छीनने की शिकायत पर आरक्षक निलंबित

हाल ही में डबरा हाईवे पर परिवहन आरक्षक बालाजी गुर्जर के खिलाफ शिकायत सामने आई। आरोप था कि उन्होंने एक ट्रक को अनाधिकृत रूप से रोका और इस दौरान वीडियो बना रहे चालक का मोबाइल छीन लिया। मामला परिवहन आयुक्त उमेश जोगा तक पहुंचा तो विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरक्षक को निलंबित कर दिया। इस कार्रवाई को विभाग में अनुशासन कायम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसी तरह दतिया के चिरूला चेक प्वाइंट पर तैनात कर्मचारी सौरभ व्यास के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद विभाग ने उन्हें वहां से हटाकर दूसरी जगह भेज दिया। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर अब अधिकारियों की नजर ग्वालियर, डबरा और दतिया सहित आसपास के क्षेत्रों में तैनात कर्मचारियों की गतिविधियों पर है। विभागीय स्तर पर केवल कर्मचारियों की सूची तैयार करने तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी। परिवहन मुख्यालय में संचालित शिकायत सेल को भी दोबारा सक्रिय करने की तैयारी है। यहां पहले से बड़ी संख्या में शिकायतें लंबित हैं। शिकायतों पर समय पर सुनवाई और कार्रवाई नहीं होने से शिकायतकर्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अब योजना है कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेकर तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि शिकायत मिलने के बाद भी संबंधित कर्मचारी मनमानी जारी न रख सकें।

लापरवाही और मनमानी पर नहीं मिलेगी छूट

परिवहन आयुक्त उमेश जोगा का कहना है कि विभाग में किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। विभाग की छवि खराब करने वाले और जिम्मेदारी से काम नहीं करने वाले कर्मचारियों पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी नियमों के अनुसार काम नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह होगा कि दागी कर्मचारियों की पहचान और शिकायत सेल को सक्रिय करने की यह पहल परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली में कितना बदलाव ला पाती है।

एमपी के आयुष कॉलेजों में खाली सीटें-एक बार फिर खुलेगा प्रवेश का रास्ता

भोपाल। मध्यप्रदेश के आयुष कॉलेजों में प्रवेश की उम्मीद लगाए बैठे विद्यार्थियों के लिए एक और मौका सामने आया है। बीएएमएस, बीएचएमएस और बीयूएमएस पाठ्यक्रमों में खाली रह गई सीटों को भरने के लिए संचालनालय आयुष ने स्ट्रे वैकेंसी राउंड-I (स्टेट कोटा) का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके तहत नीट यूजी-2026 में पात्र अभ्यर्थी 3 नवंबर से ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। खास बात यह है कि इस चरण में पहले की काउंसलिंग में प्रवेश से चूक गए विद्यार्थियों को भी रिक्त सीटों पर अपनी पसंद के कॉलेज चुनने का अवसर मिलेगा, बशर्ते वे निर्धारित पात्रता पूरी करते हों। प्रदेश में आयुष शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में कॉलेज और सीटें उपलब्ध हैं, लेकिन काउंसलिंग के अलग-अलग चरणों के बाद भी सीटें खाली रह जाती हैं।

लिथियम और कोबाल्ट के भंडार तलाशेगी थर्ड पार्टी

दुर्लभ खनिज की खोज कराएगी सरकार, निजी कंपनियों का लिया जाएगा सहारा, नीति तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में लिथियम और कोबाल्ट जैसे भविष्य के दुर्लभ खनिजों की खोज का जिम्मा सरकारी विभागों के बजाय निजी एक्सपर्ट कंपनियों (थर्ड पार्टी) को सौंपा जाएगा। नए भंडारों की खोज पूरी होने के बाद सरकार इन ब्लॉक्स की नीलामी करेगी। राज्य सरकार खनिज संसाधनों की खोज को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश खनिज अन्वेषण नीति-2026 ला रही है, इसमें यह व्यवस्था की गई है। बता दें कि अब तक खनिजों की खोज का काम सरकारी एजेंसियों के भरोसे था, जिसमें समय और बजट दोनों ही अधिक लगता था। नई व्यवस्था में निजी कंपनियां अत्याधुनिक मशीनों और तकनीकों का उपयोग करेंगी। बता दें कि लिथियम और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों का उपयोग बैटरी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक से जुड़े कई क्षेत्रों में होता है।



2030-31 तक 30 हजार करोड़ राजस्व का लक्ष्य

वहीं, प्रस्तावित खनिज नीति में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंत तक खनिज संसाधनों से राजस्व आय 13,720 करोड़ रुपये तक और वित्त वर्ष 2030-31 के अंत तक इसे 30,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। नीति में जिला खनिज निधि का समुचित उपयोग करते हुए खनिज संसाधनों से संपन्न जिलों को शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, कृषि, वन, पर्यावरण, सड़क सुविधाओं और वाटरशेड के मामले में मॉडल डिस्ट्रिक्ट के रूप में विकसित किया जाएगा।

पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए बड़ी खुशखबरी!

विदेश में पढ़ाई का सपना होगा पूरा, आवेदन प्रक्रिया हुई शुरू

मैहर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर दिया है। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने वर्ष 2026-27 की 'विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना' के तहत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस योजना के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की उच्च शिक्षा से जोड़ना है। इसके अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातकोत्तर, शोध उपाधि और शोध उपाधि के बाद के पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। इससे आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण विदेश में पढ़ाई का सपना पूरा नहीं कर पाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।



मेट्रो एंकर | उज्जैन में दीपावली पर बच्चों को मिला अपनी पसंद का तोहफा

50 से बढ़कर 2 हजार बच्चों तक पहुंची खुशियों की पहल

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

दीपावली की खुशियां तभी पूरी होती हैं, जब हर घर में रोशनी और हर चेहरे पर मुस्कान हो। इसी सोच के साथ उज्जैन में 2019 में शुरू हुई एक छोटी-सी पहल अब हजारों बच्चों की खुशियों का कारण बन गई है। कभी 50 से 100 बच्चों तक सीमित रहने वाला यह अभियान आज हर साल 1,500 से 2,000 जरूरतमंद बच्चों तक पहुंच रहा है। खास बात यह है कि बच्चों को पहले से तय सामान देने के बजाय उनकी पसंद और जरूरत के अनुसार कपड़े, जूते और चप्पल चुनने की आजादी दी जाती है।



पांच दिन में 2 हजार बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य- क्रेडाई अध्यक्ष महेश परयानी और रॉयल लायंस क्लब के सदस्य विकास सिंह के सहयोग से शुरू हुई इस पहल में हर साल बच्चों की संख्या बढ़ रही है। इस बार पांच दिन तक चलने वाले आयोजन में प्रतिदिन करीब 400 से 500 बच्चों को शामिल किया जा रहा है। इनमें आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के साथ दिव्यांग और आदिवासी बच्चे भी शामिल हैं। आयोजकों का उद्देश्य है कि आर्थिक अभाव किसी बच्चे की दीपावली की खुशियों में बाधा न बने।

मॉल में पहुंचे 500 दिव्यांग बच्चे, पसंद से चुने कपड़े- सोमवार को वी मार्ट मॉल में करीब 500 दिव्यांग बच्चे पहुंचे। यहां बच्चों को अपनी पसंद के जूते, चप्पल और कपड़े चुनने का अवसर मिला। अपनी पसंद का सामान मिलने पर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। खरीदारी के बाद उन्हें मिठाई और पटाखे भी दिए गए, ताकि वे भी दूसरे बच्चों की तरह उत्साह और उमंग के साथ दीपावली मना सकें।

तस्वीरों में कैद यादें देती हैं आगे बढ़ने की प्रेरणा

इस पहल से जुड़े समाजसेवी गोपाल ने बताया कि एचआईवी से प्रभावित बच्चों का समूह भी हर साल इस आयोजन में शामिल होता है। उन्होंने कहा कि हर साल बच्चों के साथ खिंचवाई गई तस्वीरों को अगले साल देखने पर कुछ चेहरे नजर नहीं आते। यह एहसास भावुक कर देता है और उन बच्चों की यादें मन को दुखी करती हैं। लेकिन उनके साथ बिताए खुशी के पल और बच्चों की मुस्कान इस अभियान को लगातार जारी रखने की प्रेरणा देते हैं।

एकजुटता की कसौटी

लोकतंत्र में असहमति की आवाज उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता तथ्यों, तर्कों और निरंतरता से बनती है। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों की रैली इसी लोकतांत्रिक विमर्श का महत्वपूर्ण पड़ाव रही। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग उठाई। प्रतीकात्मक जन महाभियोग और 'चलो दिल्ली' मार्च के जरिए विपक्ष ने अपने असंतोष को साझा मंच देने का प्रयास किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, प्रियंका गांधी और फारूक अब्दुल्ला सहित विभिन्न दलों के नेताओं की मौजूदगी ने एकजुटता का संदेश दिया। लेकिन राजनीति में साझा मंच की तस्वीर और साझा रणनीति की वास्तविकता के बीच लंबी दूरी होती है। बंगाल से उत्तर प्रदेश तक विपक्षी दलों की अपनी राजनीतिक प्रतिस्पधार्एं और प्राथमिकताएं हैं। ऐसे में मंच साझा करना और चुनावी मैदान में साथ उतरना दो अलग-अलग चुनौतियां हैं। रैली का मूल सवाल मतदाता के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता से जुड़ा है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का तर्क है कि पुनरीक्षण का उद्देश्य मृत, स्थानांतरित और दोहरे नामों को हटाकर सूची को शुद्ध करना है। लोकतंत्र में दोनों उद्देश्य महत्वपूर्ण हैं। सूची की शुद्धता के नाम पर किसी पात्र नागरिक का मताधिकार प्रभावित नहीं होना चाहिए। इसके लिए पारदर्शिता, निष्पक्ष जांच और शिकायतों का समयबद्ध निराकरण जरूरी है। केवल इस्तीफे की मांग से समस्या का समाधान नहीं होगा। विपक्ष को आरोपों के समर्थन में प्रमाण और चुनाव सुधार के व्यावहारिक सुझाव भी देने होंगे। प्रभावित मतदाताओं को सुनवाई मिले और नाम हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी हो। रामलीला मैदान में जुटी भीड़ का राजनीतिक अर्थ उसके आकार से नहीं, बल्कि उसके बाद होने वाली कार्रवाई से तय होगा। विपक्ष के सामने चुनौती है कि दिल्ली के मंच पर बनी सहमति को राज्यों तक पहुंचाए और आपसी मतभेदों के बावजूद निरंतरता बनाए रखे।

भारतीय किसानों के लिए ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद



सौरभ वार्ष्णेय
स्तंभकार

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।



दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है।

सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है। अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है।

निस्संदेह, ग्रीन अमोनिया की दिशा में सरकार का प्रयोग भविष्य की कृषि के लिए उम्मीद जगाता है। लेकिन किसानों को ऐसी योजनाओं के परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए। सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए। कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे। आखिरकार, ग्रीन अमोनिया का उद्देश्य केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि किसान की जेब पर पडने वाला बोझ कम करना भी होना चाहिए। सस्ती खाद, स्वस्थ मिट्टी और खुशहाल किसान ही इस नई पहल की वास्तविक सफलता का पैमाना होंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आखिर क्या हो रहा है बच्चों को? मासूम मन में क्यों पनप रहा है हिंसा और बदले का भाव



कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

बच्चों की दुनिया खेल, जिज्ञासा, दोस्ती और सीखने की सहज दुनिया मानी जाती है। छोटी-छोटी बातों पर रूठना और फिर कुछ देर में साथ खेलना बचपन की पहचान थी। लेकिन हाल की घटनाएं इस तस्वीर को बेचैन करने लगी हैं। पंचकूला के सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र पर आरोप है कि उसने केजी में पढ़ने वाली बच्ची को खाली कक्षा में ले जाकर बुरी तरह पीटा। नोएडा के एक स्कूल में सात वर्षीय छात्र को उसके पंद्रह से अधिक सहपाठियों ने कथित तौर पर फर्श पर गिराकर पीटा। आंध्र प्रदेश में प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर दसवीं की छात्रा पर कक्षा में हमला किए जाने की घटना भी सामने आई। ये घटनाएं बच्चों की सुरक्षा, व्यवहार और सामाजिक वातावरण पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।



सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि हिंसक व्यवहार अब बहुत कम उम्र में दिखाई देने लगा है। आठ साल का बच्चा दूसरे बच्चे को चोट पहुंचाने की स्थिति तक कैसे पहुंचा? सात साल के छात्र के साथियों को समूह बनाकर उसे पीटने की प्रेरणा कहां से मिली? क्या बच्चों के मन में संवेदनाएं कम हो रही हैं या गुस्सा और बदले की भावना बढ़ रही है? इन सवालों का जवाब केवल यह कहकर नहीं दिया जा सकता कि आजकल के बच्चे बिगड़ गए हैं या कलयुग का प्रभाव है। इसके पीछे पारिवारिक वातावरण, सामाजिक बदलाव, मानसिक दबाव और बच्चों को मिलने वाले संस्कार जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

बचपन में भावनाओं को पहचानने और संभालने की क्षमता धीरे-धीरे विकसित होती है। कई बच्चे निराशा, ईर्ष्या, अपमान और असुरक्षा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। वे अपनी परेशानी को चिल्लाने, मारपीट करने या दूसरों को परेशान करने के रूप में दिखाते हैं। इसका अर्थ है कि बच्चों को केवल अनुशासन सिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें गुस्से पर नियंत्रण, सहनशीलता और विवाद को बातचीत से सुलझाने की शिक्षा भी देनी होगी। कभी-कभी आक्रामक व्यवहार तनाव, डर, उपेक्षा या किसी अप्रिय अनुभव का संकेत भी हो सकता है। परिवार बच्चे की पहली पाठशाला है। घर में माता-पिता के बीच लगातार झगड़े, अपमानजनक भाषा, गृह क्लेश और तनावपूर्ण वातावरण का असर बच्चों की मनोदशा पर पड़ सकता है। बच्चा बड़ों की बातें ही नहीं, उनका व्यवहार भी देखकर सीखता है। यदि घर में मतभेद का समाधान बातचीत के बजाय चिल्लाकर किया जाता है तो बच्चा भी यही तरीका अपना सकता है। हालांकि बच्चों के व्यवहार के लिए परिवार को अकेले दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। आर्थिक दबाव, माता-पिता की व्यस्तता, स्कूल का वातावरण और साथियों का प्रभाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करने का समय कम होता जा रहा है। मोबाइल और इंटरनेट ने मनोरंजन के अनेक रास्ते खोले हैं, लेकिन उम्र के अनुरूप निगरानी नहीं होने पर बच्चे हिंसा, गाली-गलौज और बदले की भावना को सामान्य दिखाने वाली सामग्री से प्रभावित हो सकते हैं। कई बार मोबाइल बच्चों को व्यस्त रखने का साधन बन जाता है और माता-पिता यह जानने का प्रयास ही नहीं करते कि बच्चा क्या देख रहा है। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के साथ खेलकूद, किताबों, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों की ओर भी प्रेरित करना होगा।

बच्चों की मनोदशा समझने के लिए माता-पिता को उनसे प्रतिदिन बातचीत करनी चाहिए। केवल पढ़ाई, परीक्षा और अंकों के बारे में पूछना पर्याप्त नहीं है। यह भी जानना जरूरी है कि बच्चा किस बात से खुश है, किस बात से परेशान है और स्कूल में उसके मित्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है। बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, सबके सामने अपमानित करना और हर गलती पर कठोर दंड देना उनके आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है। प्यार का अर्थ हर मांग पूरी करना नहीं है। उचित अनुशासन, स्पष्ट नियम और जिम्मेदारी का एहसास भी अच्छी परवरिश का हिस्सा हैं।

स्कूलों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि बच्चों के व्यवहार में बदलाव पहचानने वाले मार्गदर्शक भी हैं। कक्षा में पर्याप्त निगरानी, सुरक्षित वातावरण और बच्चों के बीच सहयोग की भावना विकसित करना जरूरी है। किसी बच्चे को लगातार चिढ़ाना, अलग-थलग करना या समूह में निशाना बनाना मामूली शरारत समझकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। स्कूल प्रबंधन को ऐसी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। आवश्यकता होने पर अभिभावकों के साथ बाल मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता की सहायता भी लेनी चाहिए। बच्चे के स्वभाव में अचानक बदलाव, बार-बार गुस्सा, अत्यधिक चुप्पी, डर, दूसरों को परेशान करने की प्रवृत्ति या दोस्तों से दूरी दिखाई दे तो उसे केवल जिद समझकर टालना ठीक नहीं है। माता-पिता को धैर्यपूर्वक उसकी बात सुननी चाहिए। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। जिस बच्चे के साथ हिंसा हुई है, उसे सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग मिलना चाहिए। वहीं हिंसक व्यवहार करने वाले बच्चे को भी सुधारने और सही दिशा दिखाने की जरूरत है। कम उम्र में किसी बच्चे को अपराधी का ठप्पा लगा देना समस्या का समाधान नहीं है।

बच्चे समाज का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की जिम्मेदारी भी हैं। उन्हें केवल अच्छे अंक और प्रतिस्पर्धा में आगे रहने की सीख देना पर्याप्त नहीं है। संवेदना, संयम, सहनशीलता, मित्रता और दूसरों के सम्मान का महत्व भी समझाना होगा। पंचकूला और नोएडा जैसी घटनाएं चेतावनी हैं कि घर, स्कूल और समाज को मिलकर बच्चों के मन की बात सुननी होगी। आखिर बच्चों को अच्छे संस्कार देने और उनका भविष्य सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी किसी एक व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की है। बचपन को भय, बदले और हिंसा से मुक्त रखना हम सबका सामूहिक दायित्व है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हार्ट अटैक के बाद विटामिन डी सप्लीमेंट कम कर सकता है आगे का खतरा!



हार्ट अटैक के बाद मरीजों के लिए दोबारा दिल का दौरा पड़ने से बचना सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है। इसके लिए डॉक्टर दवाओं, खानपान, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने की सलाह देते हैं। इस बीच विटामिन डी सप्लीमेंट को लेकर भी सवाल उठते हैं। क्या विटामिन डी लेने से दूसरे हार्ट अटैक का खतरा कम हो सकता है? कुछ अध्ययनों में इसके सकारात्मक संकेत मिले हैं, लेकिन अभी इसके पुख्ता प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

विटामिन डी को आमतौर पर हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी माना जाता है। हालांकि, यह शरीर की कई जैविक प्रक्रियाओं में भी भूमिका निभाता है। वैज्ञानिक शोध में कम विटामिन डी स्तर और हृदय संबंधी बीमारियों के बीच संबंध देखा गया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विटामिन डी की कमी ही हार्ट अटैक का कारण बनती है या सप्लीमेंट लेने से दिल की बीमारी को रोका जा सकता है।

2019 में प्रकाशित एक बड़े विश्लेषण में 21 रैंडमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल के 83 हजार से अधिक लोगों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया था। इसमें पाया गया कि विटामिन डी सप्लीमेंट लेने से हार्ट अटैक, स्ट्रोक या हृदय रोग से होने वाली मृत्यु के जोखिम में स्पष्ट कमी नहीं आई। इससे संकेत मिलता है कि केवल सप्लीमेंट लेना हृदय रोगों से बचाव की गारंटी नहीं है।

वहीं, 2026 में प्रकाशित टारगेट डी ट्रायल ने उन मरीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन्हें पहले हार्ट अटैक हो चुका था। इस अध्ययन में 630 मरीज शामिल थे। शोधकर्ताओं ने उनके विटामिन डी स्तर की जांच करके जरूरत के अनुसार सप्लीमेंट की खुराक तय की। अध्ययन के नतीजों में विटामिन डी लेने वाले समूह के 3.8 प्रतिशत मरीजों को दोबारा हार्ट अटैक आया, जबकि सामान्य देखभाल वाले समूह में यह आंकड़ा 7.9 प्रतिशत था। यह परिणाम उम्मीद जगाने वाला जरूर है, लेकिन अध्ययन के मुख्य संयुक्त परिणाम में महत्वपूर्ण कमी साबित नहीं हुई।

हार्ट अटैक के बाद दूसरे दौरे से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि मरीज डॉक्टर की सलाह के अनुसार अपनी दवाएं नियमित रूप से ले। ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज को नियंत्रण में रखें। धूम्रपान से दूरी बनाएं और संतुलित खानपान के साथ सुरक्षित शारीरिक गतिविधि अपनाएं। डॉक्टर की सलाह से कार्डियक रिहैबिलिटेशन भी रिकवरी में मदद कर सकता है।

सप्लीमेंट से पहले डॉक्टर की सलाह: अगर हार्ट अटैक के बाद शरीर में विटामिन डी की कमी है, तो डॉक्टर की सलाह से इसकी जांच और उपचार कराना फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, इसे दूसरे हार्ट अटैक से बचाव का प्रमाणित विकल्प नहीं मानना चाहिए। बिना जांच और चिकित्सकीय सलाह के अधिक मात्रा में सप्लीमेंट लेने से बचें। फिलहाल दिल की सुरक्षा के लिए निर्धारित दवाएं, नियमित फॉलो-अप और स्वस्थ जीवनशैली सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

निशाना

तीरगी फिर इधर नहीं आती...



प्रदीप कश्यप

दर्द दुख दूर कर नहीं आती ।
आस सुख की नज़र नहीं आती।
छोड़ कर यार जो गया हमको।
उसकी कोई ख़बर नहीं आती।
दीप रखता कोई जला कर तो।
तीरगी फिर इधर नहीं आती।
चलते रहने से जो मिली मंज़िल।
छोड़ने से सफ़र नहीं आती।
होंटों पर फूल सी हँसी खिलती।
अश्क आँखों में भर नहीं आती।
बात ख़ुशियों भरी वो उल्फ़त की।
दिल में नफ़रत को भर नहीं आती।
प्यार करने से जो मिली कश्यप।
चोट क्यों वो उभर नहीं आती ।

वायरल कंटेंट

भारत का अनोखा शहर... रहना-खाना सब फ्री, बस माननी होती है ये एक शर्त

भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जो अपनी अनोखी परंपराओं और जीवनशैली के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। कहीं संस्कृति की झलक देखने को मिलती है, तो कहीं लोगों के रहने और काम करने का तरीका बिल्कुल अलग होता है। लेकिन क्या आपने कभी ऐसे शहर के बारे में सुना है, जहां अलग-अलग देशों के लोग बिना किसी धार्मिक या राष्ट्रीय भेदभाव के एक साथ रहते हैं? भारत में ऐसी एक जगह मौजूद है, जिसका नाम ऑरोविले है।ऑरोविले अपनी अनोखी जीवनशैली और सामूहिक व्यवस्था के कारण दुनियाभर में चर्चा में रहता है। यहां रहने वाले लोगों की प्राथमिकता केवल पैसा कमाना नहीं, बल्कि समाज और समुदाय के विकास में योगदान देना भी है। यही वजह है कि इसे भारत के सबसे अलग शहरों में गिना जाता है।



ऑरोविले तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में स्थित है और पुडुचेरी के पास बसा हुआ है। इसे सिटी ऑफ डॉन यानी भोर का शहर भी कहा जाता है। इसकी स्थापना 1968 में मीरा अल्फासा ने की थी, जिन्हें लोग 'द मदर' के नाम से जानते हैं। इस शहर को बसाने के पीछे एक खास उद्देश्य था। ऐसा स्थान तैयार करना, जहां दुनिया के अलग-अलग देशों, धर्मों और संस्कृतियों के लोग बिना किसी भेदभाव के मिल-जुलकर रह सकें। ऑरोविले की सबसे खास बात यहां की सामुदायिक जीवनशैली है। यहां रहने के इच्छुक लोगों से उम्मीद की जाती है कि वे शहर और समुदाय के विकास में सक्रिय योगदान देंगे। यानी यहां केवल सुविधाओं का लाभ उठाना ही मकसद नहीं है, बल्कि अपनी क्षमता के अनुसार काम करना और सामूहिक जिम्मेदारी निभाना भी जरूरी है।

सेवा, सहयोग और एक-दूसरे के प्रति सम्मान को यहां काफी महत्व दिया जाता है। यही इस शहर की सबसे बड़ी पहचान है। हालांकि, यहां स्थायी रूप से रहने के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया और नियमों का पालन करना पड़ता है।

ऑरोविले को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की होती है कि यहां रहने और खाने के लिए पैसे नहीं देने पड़ते। हालांकि, इसकी वास्तविक व्यवस्था थोड़ी अलग है। यहां सामुदायिक सहयोग और आंतरिक आर्थिक व्यवस्था को महत्व दिया जाता है।

टेक्नो अपडेट

छत पर लगेंगे ठंडे पानी के पाइप और घर रहेगा 24 डिग्री पर ठंडा, बिजली भी बचेगी

गर्मियों में घर को ठंडा रखने के लिए एयर कंडीशनर का इस्तेमाल आम हो गया है। लेकिन AC चलाने से बिजली की खपत बढ़ती है और शहरों में गर्मी का असर भी बढ़ सकता है। इसी समस्या से निपटने के लिए सिंगापुर में एक नई कूलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसे एक्टिव चिल्ड बीम्स कहा जाता है। इसकी खासियत है कि यह ठंडे पानी के पाइपों और हवा के प्राकृतिक बहाव की मदद से इमारतों को ठंडा रखती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस तकनीक से पारंपरिक AC की तुलना में करीब 30 से 50 प्रतिशत तक बिजली बचाने की संभावना है।



सिंगापुर जैसे देश में इस तकनीक की जरूरत काफी ज्यादा है। यहां सालभर तापमान करीब 31 से 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है और उमस भी अधिक होती है। ऐसे मौसम में घरों और दफ्तरों को ठंडा रखने के लिए बड़ी मात्रा में बिजली खर्च होती है। अनुमान के मुताबिक, इमारतों की कुल बिजली खपत का 40 से 60 प्रतिशत हिस्सा कूलिंग में इस्तेमाल होता है। इसके अलावा AC से निकलने वाली गर्म हवा आसपास के वातावरण का तापमान बढ़ाने में भी योगदान देती है। एक्टिव चिल्ड बीम्स तकनीक को सिंगापुर की पाया लेबार ग्रीन इमारत में अपनाया गया है। इसमें इमारत की छत पर खास तरह के कूलिंग पैनल लगाए जाते हैं। इन पैनलों के अंदर ठंडे पानी के पाइप होते हैं। इनके जरिए छत के आसपास का तापमान कम रखा जाता है। कमरे की गर्म हवा ऊपर उठकर इन ठंडे पैनलों के संपर्क में आती है और ठंडी होकर वापस नीचे फैल जाती है। इस प्रक्रिया से कमरे में तापमान को आरामदायक बनाए रखने में मदद मिलती है।

इस सिस्टम में करीब 14 से 18 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला पानी पाइपों में प्रवाहित किया जाता है। ये पैनल कमरे में मौजूद लोगों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य चीजों से निकलने वाली गर्मी को भी सोखते हैं। गर्म हवा ऊपर उठती है और ठंडी होने के बाद नीचे आती है। इस तरह हवा का लगातार प्राकृतिक सर्कुलेशन बना रहता है। पारंपरिक AC की तरह तेज हवा फेंकने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे शोर भी कम होता है और कमरे में ठंडक ज्यादा समान रूप से फैल सकती है।

बंदियों से संवाद में दी सकारात्मकता अपनाने की सीख

नर्मदापुरम में न्यायाधीश का दौरा, पांचवीं उत्तीर्ण बंदियों को दी अंकसूची

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा ने सोमवार को केंद्रीय जेल नर्मदापुरम का निरीक्षण किया। इस दौरान खंड-अ, खंड-ब और खुली जेल में निरीक्षण सह जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने बंदियों से संवाद कर उनके रहन-सहन, स्वास्थ्य, जेल में उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। साथ ही बंदियों को सकारात्मक सोच अपनाने और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया।



मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित शिविर में कक्षा पांचवीं उत्तीर्ण करने वाले बंदियों को अंकसूची भी वितरित की गई। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दीपक चौधरी, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह, जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी सहित जेल कर्मचारी एवं बंदी उपस्थित रहे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को प्रियंका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को बाल अधिकार, बाल संरक्षण, बाल श्रम, बाल विवाह और बाल शोषण सहित बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। बच्चों की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी अप्रिय घटना या बाल अपराध की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को देना जरूरी है। बच्चों के सुरक्षित भविष्य और अधिकारों के संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। शिविर में जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दीपक चौधरी, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह, विद्यालय प्राचार्य उमा शिवहरे, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भगवती मानव कल्याण संगठन की सूचना पर कार्रवाई, 3 पेटी लाल मसाला शराब जब्त

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भगवती मानव कल्याण संगठन की सजगता और सूचना पर तेंदूखेड़ा पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दमोह रोड पर खड़ी एक शिफ्ट कार से 3 पेटी लाल मसाला शराब जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना दमोह रोड स्थित भैंसासुर बाबा प्रांगण की है। भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने देखा कि शिफ्ट गाड़ी क्रमांक रक्का 5क्र9413 में कुछ लोग 3 पेटी लाल मसाला शराब लेकर आए और गाड़ी को भैंसासुर बाबा प्रांगण में खड़ी कर लॉक करके पास के एक



घर में घुस गए। इस गतिविधि पर संगठन के सदस्यों को संदेह हुआ। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए इसकी सूचना तुरंत तेंदूखेड़ा पुलिस को दी सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी की तलाशी ली। कार के अंदर 3 पेटी लाल मसाला शराब रखी मिली।

न्यूज विंडो

ट्रेन की चपेट में आने से 20 वर्षीय युवक की मौत, कंटेनर डिपो के पास हुआ हादसा



मंडीदीप। मंडीदीप रेलवे स्टेशन के कंटेनर डिपो फैक्ट्री के पास सोमवार सुबह करीब 11 बजे ट्रेन की चपेट में आने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान छोटू पिता गुड्डू नरवरे निवासी वार्ड क्रमांक 10 शांतिनगर मंडीदीप के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर मंडीदीप पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आने से हादसे का शिकार हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। घटना के संबंध में पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

तेज़गढ़ में आज 'जश्ने मुजददिद अलिफे सानी' और 'मुबल्लिगा कोर्स का तक़मीले'

तेंदूखेड़ा। तेज़गढ़ स्थित ऐतिहासिक मस्जिद मुजददिद अल्फेसानी में 3 नवंबर 2026 को एक रूहानी, बाबरकत और भव्य आयोजन होने जा रहा है। यहाँ 'जश्ने मुजददिद अल्फेसानी' के साथ-साथ मुबल्लिगा कोर्स सफलतापूर्वक समापन का मुबारक जलसा बड़े पैमाने पर आयोजित किया जा रहा है। इस सिलसिले में क्षेत्र में अकीदतमंदों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। तेजगढ़ मस्जिद के पेशइमाम अहमद अली आफाकी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पूरा प्रोग्राम इशा की नमाज के तुरंत बाद शुरू होगा। इस मुकद्दस मौके पर कुरआन-ओ-हदीस की रोशनी में विशेष बयान और तालीमात पेश की जाएंगी।

विपक्षी दल एसआईआर को लेकर फैला रहे भ्रामक जानकारी- सांसद वानखेड़े



सिरोंज। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर देशभर में कांग्रेस सहित विपक्षी दलों द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार एवं फैलाई जा रही आराजकता का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए समाज का प्रबुद्ध वर्ग मैदान में उतरा है। रविवार को इसकी बानगी उस समय दिखाई दी जब सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले प्रबुद्ध समाज के नागरिकों ने एक साथ एक स्थान पर एकत्रित होकर कांग्रेस के नेताओं द्वारा एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आमजन में फैलाए जा रहे दुष्प्रचार ओर अराजकता को मिटाने का संकल्प लिया। सागर क्षेत्र की सांसद लता बानखेड़े की मौजूदगी में सम्पन्न हुई इस प्रबुद्ध समाज वर्ग की गोष्ठी में संत महात्मा,अभिभाषक,व्यापारी,किसान ओर युवाओं सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

दीपावली से पहले व्यापारियों का विरोध, जयस्तंभ चौक पर टेंट लगाकर बैठे व्यापारी

पुराने बस स्टैंड पर 5 मिनट के पिक एंड ड्रॉप की मांग, आंशिक बाजार बंद

इटारसी। दोपहर मेट्रो

पुराने बस स्टैंड पर बसों के लिए पांच मिनट का पिक एंड ड्रॉप शुरू करने की मांग को लेकर मंगलवार को संयुक्त व्यापार महासंघ के आह्वान पर शहर में आंशिक बाजार बंद रखा गया है। दोपहर 1 बजे तक बंद के आह्वान के बीच व्यापारी जयस्तंभ चौक पर टेंट लगाकर बैठ गए हैं। दीपावली के ठीक पहले व्यापारियों ने बसों के शहर में प्रवेश की व्यवस्था बहाल करने की मांग को लेकर विरोध तेज कर दिया है।

पुराने बस स्टैंड पर बसों का संचालन बंद होने और नए बस स्टैंड से भी लोकल बसों की आवाजाही ठप होने के कारण यात्रियों, विद्यार्थियों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। पिछले छह दिनों से बस ऑपरेटरों की हड़ताल जारी है। ऐसे में शहर की परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने के साथ बाजार के कारोबार पर भी असर पड़ रहा है।



दीपावली के पहले व्यापारियों ने तेज किया आंदोलन

14 अक्टूबर से पुराने बस स्टैंड को बंद कर बसों का संचालन नए बस स्टैंड पर स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद से बसों का शहर के भीतर प्रवेश बंद है। वहीं, लोकल बस ऑपरेटरों की हड़ताल के चलते नए बस स्टैंड से भी बसें नहीं चल रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से खरीदारी के लिए इटारसी आने वाले लोगों की संख्या प्रभावित होने से व्यापारियों को दीपावली के कारोबार में नुकसान की चिंता है। इसी मुद्दे को लेकर संयुक्त व्यापार महासंघ ने आंशिक बाजार बंद का आह्वान किया है। महासंघ के पदाधिकारी पिछले दिनों डोर-टू-डोर संपर्क कर व्यापारियों से बंद को समर्थन देने की अपील कर रहे थे। मंगलवार को व्यापारी जयस्तंभ चौक पर टेंट लगाकर विरोध दर्ज करा रहे हैं।



पांच मिनट के ठहराव की मांग

संयुक्त व्यापार महासंघ की प्रमुख मांग है कि पुराने बस स्टैंड पर बसों को कम से कम पांच मिनट के लिए पिक एंड ड्रॉप की अनुमति दी जाए। इससे शहर के यात्रियों, विद्यार्थियों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को राहत मिल सकेगी। महासंघ के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, सचिव सनी चेलानी, राजेश अग्रवाल, सुमित सहित अन्य पदाधिकारी इस मांग को लेकर जयस्तंभ चौक पर बैठे है।

विपक्ष जनता को बरगलाने और भ्रामक जानकारी देने का काम कर रहा है - राज्यमंत्री लोधी



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के आजीविका मिशन भवन में गुरुवार को भाजपा द्वारा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' विषय पर प्रबुद्धजन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में व्यापारी, चिकित्सक, अधिवक्ता, सेवानिवृत्त अधिकारी, गणमान्य नागरिक और प्रोफेसर वर्ग को आमंत्रित किया गया था कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने भारत माता और पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त उद्यान अधीक्षक पंडित रमेश तिवारी ने कहा कि दिल्ली देश का मुकुट है, जहां बैठकर विपक्ष के नेता देश को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। सिर्फ एक व्यक्ति को हटाने के लिए इतना बड़ा षड्यंत्र रचा जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री को चोर कहने वाले और सेना को खुलेआम गाली देने वालों को प्रबुद्धजनों को जवाब देना होगा। कांग्रेस के लोगों की भाषा शैली ठीक नहीं है संगोष्ठी के प्रभारी मनीष सोनी ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत के पास है। आज ऐसी क्या परिस्थिति बनी कि हमें प्रबुद्धजनों के साथ बैठना पड़ रहा है।

दीवाली के समय नाली सफाई से व्यापारियों की बढ़ी परेशानी

वार्ड 12 में दुकानों के सामने नाली की खुदाई से आवागमन प्रभावित, कारोबार पर पड़ रहा असर; नपाध्यक्ष ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

दीपावली के त्योहार के मद्देनजर बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। ऐसे में नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 12 में दुकानों के सामने नाली की सफाई के लिए की गई खुदाई व्यापारियों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। कई दिनों से चल रहे इस काम के कारण दुकानों के सामने आवागमन प्रभावित हो रहा है। इससे ग्राहकों को खरीदारी के लिए दुकानों तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

व्यवसायी उर्मिला जैन ने बताया कि उनकी दुकान के सामने पिछले कई दिनों से नाली की सफाई का काम चल रहा है, जबकि संबंधित नाली की सफाई नगर पालिका द्वारा करीब छह महीने पहले ही कराई गई थी। इसके बावजूद दीपावली के ठीक पहले नाली की खुदाई किए जाने से व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। त्योहार के दौरान बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ती है और व्यापारियों को अच्छी बिक्री की उम्मीद रहती है, लेकिन दुकानों के सामने खुदाई और अव्यवस्था के कारण ग्राहक दुकान तक पहुंचने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। इसका सीधा असर व्यापार पर पड़ रहा है।



मामला संज्ञान में आया है। जल्द ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

-प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, नपाध्यक्ष मंडीदीप

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने खनिज विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

खनिज राजस्व वसूली बढ़ाने कार्ययोजना बनाएं, अवैध खनन पर करें सख्त कार्रवाई

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

खनिज राजस्व वसूली में वृद्धि और अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने खनिज विभाग को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सोमवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित राजस्व वसूली के लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर नियमित समीक्षा करने को कहा।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि खनिज विभाग मासिक लक्ष्य निर्धारित कर राजस्व वसूली में तेजी लाए। पूर्व में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करते हुए संबंधित लोगों से बकाया राशि की वसूली की कार्रवाई प्राथमिकता से पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्रवाई के माध्यम से राजस्व में वृद्धि सुनिश्चित की जाए।



कलेक्टर ने जिले में अवैध उत्खनन और खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध खनन में संलिप्त वाहनों को तत्काल जब्त किया जाए। संबंधित मामलों में आरआरसी जारी कर नियमानुसार जुर्माने की वसूली की जाए। अवैध खनन में शामिल व्यक्तियों पर कठोर कार्रवाई करते हुए पेनल्टी भी लगाई जाए, ताकि ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लग सके।

खनिज परिवहन में पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने पर जोर देते हुए कलेक्टर ने खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में आरएफ टैग लगाने की प्रक्रिया का शासन के निर्देशानुसार शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा। जिन वाहनों में आरएफ टैग नहीं लगे हैं, उनके विरुद्ध विभागीय निर्देशों के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। अधिकारी देवेश मरकाम सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर एकीकृत माध्यमिक शाला झारौली में ई-कचरा प्रबंधन अभियान से प्रेरित कार्यक्रम पर लगा आरोप

बच्चों को कचरा प्रबंधन सिखाने झाड़ू लगवाई, वीडियो वायरल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

विकासखंड तेंदूखेड़ा की एकीकृत माध्यमिक शाला झरौली में शुक्रवार को बच्चों द्वारा झाड़ू लगाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद तरह-तरह की चर्चाएं और अटकलें लगाई जाने लगीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जब इसकी पड़ताल की गई तो सच्चाई कुछ और ही सामने आई।

जांच में स्पष्ट हुआ कि स्कूल प्रबंधन द्वारा किसी भी बच्चे से झाड़ू नहीं लगवाई गई है। बल्कि मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार विद्यालय में ई-कचरा प्रबंधन अभियान एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में स्कूल के समस्त बच्चों को एकत्रित कर उन्हें ई-कचरा क्या है, उससे होने वाले नुकसान और स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई थी। ई-कचरा प्रबंधन अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और आम नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक कचरे के प्रति जागरूक करना है। आज के समय में खराब मोबाइल फोन, चार्जर, बैटरी, पुराने कंप्यूटर, लैपटॉप, टूटे हुए बिजली उपकरण, खराब इलेक्ट्रॉनिक खिलौने आदि बड़ी मात्रा में कचरे के रूप में निकलते हैं। यदि इन्हें खुले में, नदी-नालों में या सामान्य कचरे के साथ फेंक दिया जाता है तो इससे मिट्टी, पानी और हवा बुरी तरह प्रदूषित होती है। इसमें मौजूद खतरनाक रसायन मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते हैं और कई तरह की बीमारियों को जन्म देते हैं।



इसलिए अभियान के तहत बच्चों को सिखाया जाता है कि ऐसे ई-कचरे को इधर-उधर न फेंकें, बल्कि एक निर्धारित स्थान पर एकत्रित करें और उसे रीसाइकिल के लिए भेजें। ताकि पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। इसी के साथ अपने घर, स्कूल, मोहल्ले और गांव को साफ-सुथरा रखने की प्रेरणा भी दी जाती है। बच्चों ने गंदगी को भगाएंगे, स्कूल को स्वच्छ बनाएंगे और स्वच्छता अपनाएंगे बीमारी भगाएंगे जैसे नारे लगाते हुए परिसर में पड़े कागज के टुकड़ों को उठाकर एक स्थान पर एकत्र किया। बच्चों ने संकल्प लिया कि वे अपनी कक्षा को हमेशा स्वच्छ बनाए रखेंगे, बिना उपयोग वाले खराब कागजों को निर्धारित कूड़ेदान में ही डालेंगे ।

छात्र बोले - यह हमारा दूसरा घर

विद्यालय की छात्रा ललिता केवट, माही केवट, आकांक्षा केवट और छात्र अभिषेक गौड़, मयंक गौड़ ने बताया कि शिक्षिका रितु नामदेव मैडम ने हमें कार्यशाला में अपने घर, ग्राम एवं मोहल्ले में साफ-सफाई रखने के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि अपने आसपास कचरा न फैलने दें और दूसरों को भी जागरूक करें। जब हम स्कूल आए तो देखा कि विद्यालय प्रांगण में कागज और कचरा फैला हुआ है। यह देखकर हम सभी छात्रों ने आपस में बात की कि जब हम अपने घर को साफ रखते हैं तो यह तो हमारा विद्यालय है, हमारा दूसरा घर है। इसे साफ रखना भी हमारा ही कर्तव्य है। इसलिए हम सबने मिलकर विद्यालय प्रांगण को साफ करने का निर्णय लिया।

मानवता की खुशबू बिखेर रही 'मां अन्नपूर्णा', 10 रुपए में भरपेट खाना

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

कहते हैं भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है। इसी पुण्य और सेवा की भावना को साकार कर रही है नगर के वार्ड 9 में संचालित मां अन्नपूर्णा रसोई। 30 अक्टूबर से शुरू हुई यह रसोई आज मानवता और सामाजिक समरसता की जीती-जागती मिसाल बन गई है यहां अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं। चाहे सरकारी कर्मचारी हो, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी हो, खेतों में पसीना बहाने वाले मजदूर हो या रिक्शा चालक, सभी एक साथ बैठकर मात्र 10 रुपए के टोकन पर घर जैसा स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन कर रहे हैं। हर दिन 150 से 200 लोगों की भीड़ इस बात की गवाही है कि यह पहल कितनी सफल और जरूरी थी। प्रतिदिन बदलते मेनू में कढ़ी-चावल, दाल-



चावल, सब्जी-रोटी, पूड़ी-सब्जी परोसी जा रही है। इस पुनीत पहल के पीछे एक सुंदर सोच है। मध्यप्रदेश सरकार के संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के अनुज सत्येंद्र सिंह लोधी ने अपने जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए यह संकल्प लिया कि जबेरा विधानसभा में कोई भी गरीब भूखा न सोए और उसे भी सम्मान के साथ भरपेट भोजन मिले। उनका यह छोटा सा संकल्प आज एक बड़े जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। उनके इस सेवा भाव की पूरे नगर में सराहना हो रही है।

मानवता: मौत के बाद भी जिंदा रहेगा नरेंद्र का दिल, परिवार ने किया अंगदान

सड़क हादसे में ब्रेन डेड हुए, परिवार ने आंसुओं के बीच लिया अंगदान का ऐतिहासिक फैसला - हार्ट, लिवर, किडनी और आंखें कीं दान

तेंदूखेड़ा/जबलपुर। दोपहर मेट्रो

इंसान का शरीर नश्वर है, लेकिन उसकी इंसानियत अमर हो सकती है, यह साबित कर दिखाया है जबलपुर के एक सपूत ने गुप्तेश्वर कृपाल चौक के रहने वाले 40 वर्षीय नरेंद्र कुमार रजक पिता स्व. ओंकार प्रसाद रजक भले ही सड़क हादसे के बाद इस दुनिया से विदा हो गए हों, लेकिन वे जाते-जाते चार अनजान लोगों को नया जीवन दे गए। उनकी आंखों से दो लोगों को रोशनी मिलेगी। उनकी सोच और उनके परिवार के इस फैसले ने पूरे महाकौशल को रुला भी दिया और गर्व से भर भी दिया।







फिर शुरू हुआ जिंदगी बचाने का महाअभियान

अंगदान की सहमति मिलते ही मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल प्रबंधन में हलचल तेज हो गई। अस्पताल के ऑर्गन ट्रांसप्लांट नोडल अधिकारी और मेडिकल कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. फणींद्र सोलंकी ने तत्काल भोपाल में स्टेट ऑर्गन ट्रांसप्लांट टीम से संपर्क साधा। स्टेट टीम ने नेशनल टीम से समन्वय कर पूरी योजना तैयार की कि किस अंग को कहां भेजना है। विशेषज्ञों की टीम ने नरेंद्र के शरीर से दोनों किडनी, लिवर, हार्ट और दोनों आंखों को हार्वेस्ट किया सोमवार देर रात करीब 12 बजे जबलपुर में इतिहास रचा गया। मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल से एक साथ दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए, ताकि अंगों को जल्द से जल्द जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सके। पुलिस प्रशासन ने पूरी मुस्तैदी से ट्रैफिक को रोककर रास्ता खाली कराया।

31 अक्टूबर को हुआ था हादसा

जानकारी के अनुसार नरेंद्र रजक 31 अक्टूबर को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजन आनन-फानन में उन्हें शहर के प्रतिष्ठित मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में लेकर पहुंचे। दो दिनों तक डॉक्टरों की टीम ने उन्हें बचाने की हर संभव कोशिश की। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। विशेषज्ञों की टीम ने जांच के बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। जैसे ही यह खबर परिवार को मिली, घर में कोहराम मच गया। लेकिन इसी गम के बीच परिवार ने वह फैसला लिया जो बड़े-बड़े लोगों के बस की बात नहीं है। परिवार ने कहा, हमारा बेटा तो नहीं रहा, लेकिन उसके अंगों से अगर किसी और का बेटा, किसी की मां, किसी का पिता बच जाए तो इससे बड़ा पुण्य और क्या होगा। उन्होंने तुरंत सभी अंग दान करने की सहमति दे दी।

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर भेजे अंग

पहला ग्रीन कॉरिडोर मेट्रो हॉस्पिटल से डुमना एयरपोर्ट तक बनाया गया। एम्बुलेंस सायरन बजाती हुई एयरपोर्ट पहुंची, जहां पहले से तैयार चार्टर्ड प्लेन में हार्ट और लिवर को विशेष बॉक्स में रखकर अहमदाबाद भेजा गया। वहां पहले से ही दो गंभीर मरीज जिंदगी और मौत से जूझ रहे थे, उन्हें नरेंद्र का हार्ट और लिवर ट्रांसप्लांट किया जाएगा। दूसरा ग्रीन कॉरिडोर मेट्रो हॉस्पिटल से नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज तक बनाया गया। एक किडनी मेट्रो प्राइम में ही भर्ती 60 वर्षीय महिला मरीज को ट्रांसप्लांट की गई, जो लंबे समय से डायलिसिस पर थी। दूसरी किडनी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती एक पुरुष मरीज को दी गई। दोनों आंखें दादा वीरेंद्र पुरी नेत्र संस्थान को दी गईं, जिससे दो लोगों को रोशनी मिलेगी। स्किन को मेडिकल कॉलेज के स्किन बैंक में दान किया गया। पूरी रात डॉक्टर ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया में लगे रहे।

न्यूज विंडो

अस्मिता खो-खो लीग का भव्य आयोजन खेल प्रतिभाओं को मिला मंच



नरसिंहपुर। जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं खो-खो खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना अंतर्गत अस्मिता खो-खो लीग का आयोजन किया गया। आयोजन में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश खो-खो संघ के सचिव श्री संजय यादव, जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष श्री सुनील कोठारी, वॉलीबाल संघ के सचिव श्री मनीष कटारे, जिला खेल अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव, शिवाजी क्लब के संचालक श्री महेंद्र कोराव, यूनिटी क्लब से विवेक कहार,जिला कोच ऊषा शैलोकर, नैंसी जैन जबलपुर,प्रगति तिवारी,अभय राज अनिकेत साहू सहित खेल जगत से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर प्रदान करती हैं। साथ ही युवाओं में खेल के प्रति रुचि, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आयोजन में करेली, बरमान, गोटेगांव,नरसिंहपुर के लगभग 100 बालिका खिलाड़ी सम्मिलित हुए।

हुतात्मा दिवस पर विहिप-बजरंग दल ने आयोजित किया रक्तदान शिविर



नरसिंहपुर। हुतात्मा दिवस के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा नरसिंहपुर जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी राधे साहू ने हुतात्मा दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के दौरान कोठारी बंधुओं सहित अनेक कारसेवकों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उनकी स्मृति में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा हुतात्मा दिवस पर देशभर में रक्तदान जैसे सेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं। राधे साहू ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवनदान देने का माध्यम है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में युवाओं को आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन अपने सामाजिक एवं सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। शिविर के आयोजन में जिला अस्पताल ब्लड बैंक की ओर से श्रीमती डॉ. स्वाति मीणा ब्लड बैंक ऑफिसर, एम.एल. चौधरी ब्लड बैंक इंचार्ज एवं मीनाक्षी चोपड़ा नर्सिंग ऑफिसर का विशेष सहयोग रहा।

अवैध पटाखों पर पुलिस की कार्रवाई 33,550 रुपए का माल जब्त



तेंदूखेड़ा। दीपावली के मद्देनजर अवैध रूप से रखे और बेचे जा रहे विस्फोटक पदार्थों के खिलाफ तेंदूखेड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में विभिन्न किस्म के पटाखे और फुलझड़ियां जब्त की हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 33 हजार 550 रुपए कीमत के अवैध पटाखे बरामद किए हैं। मामले में विस्फोटक अधिनियम सहित संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक दमोह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा एसडीओपी अर्चना अहीर तेंदूखेड़ा के मार्गदर्शन में अवैध विस्फोटक सामग्री के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में 1 नवंबर को थाना प्रभारी निरीक्षक सरोज ठाकुर को मुखबिर से वार्ड नंबर 9 तेंदूखेड़ा में अवैध पटाखे रखे होने की सूचना मिली। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दिनेश उर्फ कल्लू पाटकार पिता दीपचंद पाटकार, उम्र 40 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 9 तेंदूखेड़ा के कब्जे से विभिन्न किस्म के पटाखे एवं फुलझड़ियां बरामद कीं।

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

खरगोन में एक एकड़ में लगा रखी थी गांजे की फसल, ड्रिप से सींचते थे...जब्त

बिस्टान (खरगोन)। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक खेत पर दबिश दी, जहां करीब एक एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से गांजे की खेती की जा रही थी। पुलिस ने मौके से 12 क्विंटल 69 किलो वजनी 2230 हरे गांजे के पौधे जब्त किए हैं। थाना प्रभारी गुलाबसिंह रावत ने बताया कि सूचना मिली थी कि स्थानीय नगर परिषद अंतर्गत आने वाले महूमांडली क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अवैध रूप से गांजे की फसल लगाई है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान बिजासन माता मंदिर के पूर्व दिशा में स्थित आरोपित के खेत पर अवैध खेती का मामला सामने आया।



पांच से आठ फीट तक के हो गए थे पौधे..साफ है-लंबे समय से हो रही थी खेती

पुलिस के अनुसार आरोपित तेरसिंह (34) पिता जुवानसिंह निवासी डोल फाटा महूमांडली द्वारा खेत में सुनियोजित तरीके से गांजे की खेती की जा रही थी। पौधों को तेजी से और बेहतर तरीके से बढ़ाने के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली का इस्तेमाल किया जा रहा था। जब्त गांजे के पौधों की लंबाई पांच से आठ फीट के बीच है। इससे स्पष्ट होता है कि यह खेती लंबे समय से चल रही थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपित तेरसिंह को हिरासत में लेकर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। सोमवार को आरोपित तेरसिंह को मंडलेश्वर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपित के खिलाफ पूर्व में भी स्थानीय थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज है। इस कार्रवाई में एएसआइ सुदामा मोरे, नवनीत चतुर्वेदी, प्रधान आरक्षक सतीश कुशवाह, रामलाल तंवर, आरक्षक विनायक राजावत, अनिल व यशपाल की भूमिका रही।

स्थानीय खुफिया प्रणाली पर उठे सवाल

नप क्षेत्र में इतनी बड़ी मात्रा में गांजे की अवैध खेती का यह मामला अपने आप में पहला बताया जा रहा है। हालांकि इस कार्रवाई के बाद स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा व्यवस्था व पुलिस की खुफिया प्रणाली को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि एक एकड़ क्षेत्र में इतनी बड़ी फसल तैयार हो सकती है और पौधे पांच से आठ फीट तक ऊंचे हो सकते हैं तो स्थानीय स्तर पर इसकी भनक पुलिस को पहले क्यों नहीं लगी? इस तरह की घटनाओं से पुलिस की कार्यप्रणाली व मुखबिर तंत्र की सक्रियता पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है।

लोकतंत्र बचाओ रैली में बोले मुख्यमंत्री

वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पूरी तरह साफ हो जाएगी

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस की मौजूदा राजनीति के विरोध में भाजपा की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा जबलपुर में भी निकाली गई। भाजपा की रैली गोलबाजार से शुरू हुई करीब तीन किलोमीटर लंबी पदयात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

करीब एक घंटे चली पदयात्रा में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर नेताओं का स्वागत किया गया। समापन पर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जबलपुर की जनता के समर्थन से कांग्रेस की चूलें हिल गई हैं। वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पूरी तरह साफ हो जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस आज संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन उसका अपना राजनीतिक इतिहास लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े करता है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के समय भी पार्टी में चुनाव को लेकर विवाद हुए थे। इस तरह मुख्यमंत्री डॉ. यादव कांग्रेस के पुराने चिट्ठी खोलते हुए अपनी बात खुलकर रखी और कहां की लोकतंत्र को बचाने की दुहाई देने वाले और संविधान की बात करने वाले पहले स्वयं में झांके, देश में अराजक माहौल बनाने से सत्ता में वापस नहीं आया जा सकता। इसके लिए जनता के बीच में पहुंचना होता है। इस अवसर पर काफी संख्या में जबलपुर के लोगों ने समर्थन दिया।

अमरकंटक की पहचान पर सवाल

तीर्थनगरी के प्रवेश मार्गों पर नहीं लगे 'अमरकंटक तीर्थ' के स्वागत द्वार

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

देश-विदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी के रूप में प्रसिद्ध अमरकंटक में आने वाले पर्यटकों के स्वागत और इसकी ऐतिहासिक पहचान को प्रमुखता देने के लिए अमरकंटक विकास प्राधिकरण की भूमिका पर अब सवाल उठने लगे हैं। अमरकंटक को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों पर पर्यटकों के स्वागत के लिए ऐसे भव्य और स्पष्ट स्वागत द्वार या बोर्ड क्यों नहीं लगाए जा रहे हैं, जिन पर प्रमुखता से 'अमरकंटक तीर्थ' का उल्लेख हो?

अमरकंटक की पहचान को दर्शाने वाले पर्याप्त स्वागत बोर्ड और प्रवेश द्वार सरकारी स्तर पर नहीं लगाए जाएंगे, तो अन्य संस्थाओं या निजी लोगों द्वारा लगाए गए विभिन्न नामों वाले बोर्ड ही आने वाले पर्यटकों की नजर में क्षेत्र की पहचान निर्धारित कर सकते हैं। अमरकंटक केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि धार्मिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व का प्रमुख तीर्थ क्षेत्र है। ऐसे में अमरकंटक की पहचान को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने वाले बोर्ड प्रत्येक प्रमुख प्रवेश मार्ग पर होना आवश्यक माना जा रहा है। अमरकंटक विकास प्राधिकरण को अमरकंटक की पहचान और ब्रांडिंग के लिए एक समान डिजाइन के भव्य स्वागत द्वार तैयार कराने चाहिए, ताकि किसी भी दिशा से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक प्रवेश करते समय स्पष्ट रूप से 'अमरकंटक तीर्थ' का नाम देख सकें। अमरकंटक विकास प्राधिकरण द्वारा प्रमुख मार्गों पर स्वागत द्वार लगाने की कोई योजना तैयार की गई है अमरकंटक को जोड़ने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर 'अमरकंटक तीर्थ में आपका स्वागत है'। अमरकंटक की धार्मिक एवं ऐतिहासिक पहचान किसी एक संस्था या व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की विरासत है। इसलिए यहां लगने वाले सूचना एवं स्वागत बोर्डों को लेकर भी एक स्पष्ट नीति होना जरूरी है।

शाजापुर में नाबालिग से गैंगरेप में मां-बेटे सहित पांच को आजीवन कारावास

विशेष पाक्सो कोर्ट ने दोषियों को अलग-अलग धाराओं में सुनाई उम्रकैद की सजा

शाजापुर। दोपहर मेट्रो

विशेष पाक्सो अदालत शाजापुर ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पांच दोषियों को अलग-अलग धाराओं में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मयंक उर्फ गोलू विश्वकर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी सारंगपुर रोड अकोदिया मंडी जिला शाजापुर, शाहदत उर्फ राजा उम्र 26 वर्ष निवासी अकोदिया मंडी जिला शाजापुर, अनस उर्फ अनीस खां उम्र 24 वर्ष निवासी संजय कालोनी अकोदिया जिला शाजापुर, दुर्गेश राठौर उम्र 28 वर्ष निवासी भागीरथ चौराहा शाजापुर, सुनीता राठौर उम्र 54 वर्ष निवासी भागीरथ चौराहा नगर शाजापुर को आजीवन कारावास व अर्थदंड से दंडित किया गया है।



फोटो: एआई

पीड़िता के पिता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी

जिला अभियोजन अधिकारी अजाक शाजापुर प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि 26 जून 2025 को पीड़िता के पिता ने पुलिस थाना शुजालपुर मंडी पर पीड़िता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 30 जून को उसे पुलिस ने ढूंढ लिया। पीड़िता ने महिला पुलिस अधिकारी को बताया कि उसे घर वाले पगली बोलते थे, उसे अच्छा नहीं लगता था। इसलिए वह रात 11-12 बजे घर से निकल कर पैदल अकोदिया नाके से फुलेन गांव तरफ जा रही थी। पीछे से आए लोडिंग वाहन में सवार युवक मयंक विश्वकर्मा और शाहदत उर्फ राजा ने डराकर उसे वाहन में बैठा लिया। मयंक ने अनस को मोबाइल फोन करके ऑटो रिक्शा बुलाया।

पीड़िता को रिक्शा से ढाबे पर लेकर गए

पीड़िता को रिक्शा से ढाबे पर लेकर गए। ढाबे के तलघर में मयंक, राजा व अनीस ने गैंगरेप किया। फिर मयंक की मौसी सुनीता के यहां ले गए। मयंक ने सुनीता से कहा कि आपके बेटे दुर्गेश की शादी नहीं हो रही है, तो हम लड़की लेकर आए हैं। दुर्गेश ने दो दिन पत्नी बनाकर रेप किया।

मेट्रो एंकर

12 से शुरू होगा विशेष अभियान, 21 दिन तक लगातार रहेगा जारी

इंदौर में नर्मदा या बोरिंग के पानी से कार धोई तो 10 हजार रुपए तक जुर्माना

इंदौर। दोपहर मेट्रो

इंदौर में अब पानी की बर्बादी करना भारी पड़ेगा। नगर निगम ने संभावित जलसंकट से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक में नई जल नीति को हरी झंडी मिल गई। नर्मदा या बोरिंग के पानी का दुरुपयोग करने वालों पर अब नगर निगम सख्ती करेगा। नर्मदा या बोरिंग के पानी से कार धोने या इस पानी का किसी भी अन्य तरीके से दुरुपयोग करने वालों को दो से दस हजार रुपए तक जुर्माना देना होगा। इसी तरह घरों में मोटर लगाकर पाइप लाइन से सीधे पानी खींचने और इससे दूसरों के घरों की जलापूर्ति प्रभावित करने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

ऐसे मामलों में पहली बार पांच हजार और इसके बाद हर बार दस हजार रुपए जुर्माना देना होगा। अवैध कनेक्शनों को वैध कराने के लिए 12 नवंबर से विशेष अभियान चलेगा जो 21 दिन तक जारी रहेगा। इसके बाद बड़े स्तर पर कनेक्शनों की जांच की जाएगी। अवैध कनेक्शन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई निगम मुख्यालय में हुई मैराथन बैठक तीन घंटे से ज्यादा समय तक चली। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि बैठक में जल प्रबंधन, अवैध कनेक्शन, विज्ञापन नीति, आवास और कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इससे एक ओर जहां पानी की बर्बादी रुकेगी, वहीं जलसंकट भी दूर होगा।



फोटो: एआई

इसलिए पड़ी सख्ती की जरूरत

बिलावली व आसपास की कॉलोनियों में जलसंकट लगातार बढ़ रहा है। कई इलाकों में बोरिंग सूख चुके हैं और लोग नर्मदा कनेक्शन लेने को मजबूर हैं। वार्ड-77 में सबसे ज्यादा हालत खराब है।

पानी के वितरण और टैंकरों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके

बैठक में तय किया गया कि सार्वजनिक जल संसाधनों के दुरुपयोग और पानी के अनावश्यक उपयोग की शिकायत मिलने पर पहली बार उल्लंघन पर दो हजार, दूसरी बार पांच हजार और तीसरी और प्रत्येक आगामी बार दस हजार रुपए जुर्माना लगाया जाए। जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 30 से अधिक नए टैंकर खरीदने का निर्णय भी लिया गया। सभी हाइड्रेंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि पानी के वितरण और टैंकरों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके। बता दें, अभी शहर के कई हाइड्रेंट से पानी की चोरी की जा रही है। निरंजनपुर और विजय इलाके से इसकी कई बार शिकायतें भी आ चुकी हैं। कैमरे लगने के बाद इस तरह की चोरी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

एजेंसियों को सात दिन में व्यवस्था सुधारना होगी

महापौर ने बताया कि जिन लोगों या एजेंसियों ने अपने स्तर पर पानी के टैंकर लगा रखे हैं, उन्हें अगले सात दिन में टैंकरों की व्यवस्था सुधारना होगी। टैंकर संचालन में लापरवाही या निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया जाएगा। नगर निगम की एजेंसियों, अधिकारियों और निगम द्वारा नियुक्त टैंकर संचालकों को भी नियमों से छूट नहीं मिलेगी। गड़बड़ी पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में 5 खिलाड़ियों का दिखेगा जलवा!

कोहली-रोहित पर रहेंगी सबकी नजरें, कीवी टीम के दो धुरंधर बन सकते हैं बड़ा खतरा

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का आगाज बुधवार (4 नवंबर) से होने जा रहा है। टी20 श्रृंखला में जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम अब एकदिवसीय मुकाबलों में भी अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी। दूसरी तरफ न्यूजीलैंड की टीम भी आखिरी दो टी20 मुकाबलों में मिली शानदार लय को बरकरार रखते हुए भारतीय चुनौती का सामना करने उतरेगी। इस श्रृंखला में कई बड़े खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे, लेकिन पांच ऐसे नाम हैं जिनके प्रदर्शन पर क्रिकेट प्रेमियों की खास नजर रहने वाली है।

विराट कोहली -न्यूजीलैंड में फिर दिखेगा बल्ले का जादू?- भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस श्रृंखला के सबसे बड़े आकर्षण होंगे। न्यूजीलैंड की धरती पर उनका प्रदर्शन हमेशा शानदार रहा है। उन्होंने यहां खेले 11 एकदिवसीय मुकाबलों में 46 की औसत से 514 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और चार अर्धशतक निकले हैं। ऐसे में कोहली से एक बार फिर बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।

रोहित शर्मा -विश्व कप की तैयारी के लिए अहम सीरीज- रोहित शर्मा के लिए भी यह श्रृंखला बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की नजर रहेगी। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में रोहित को भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उनके अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को काफी उम्मीदें रहेंगी।



पांच मुकाबले, रोमांचक टक्कर और विश्व कप की तैयारी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए अपनी ताकत परखने का शानदार अवसर होगी। एक तरफ कोहली और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी होंगे, तो दूसरी तरफ फिलिप्स और मिचेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज चुनौती पेश करेंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि इन पांच खिलाड़ियों में कौन अपने प्रदर्शन से सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरता है और किस टीम का पलड़ा भारी रहता है।

ग्लेन फिलिप्स : भारत के लिए बन सकते हैं सबसे बड़ा खतरा

न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। पांच मुकाबलों में उन्होंने 341 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक और एक शतक शामिल रहा। उनकी बल्लेबाजी में बड़े शॉट लगाने के साथ-साथ लंबी पारी खेलने की क्षमता भी दिखाई दी है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों के सामने उन्हें रोकने की बड़ी चुनौती होगी।

मोहम्मद सिराज : गेंद से धमाका करने का मौका| भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए यह श्रृंखला खुद को साबित करने का बेहतरीन अवसर होगी। उन्हें साल 2026 में अब तक केवल चार एकदिवसीय मुकाबले खेलने का मौका मिला है, जिनमें उन्होंने चार विकेट हासिल किए हैं। उनका गेंदबाजी औसत 44 रहा है। हालांकि, न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मुकाबले में उन्होंने अच्छी लय दिखाई थी। अब वह एकदिवसीय क्रिकेट में भी प्रभाव छोड़ना चाहेंगे।

5. डेरिल मिचेल -भारत के खिलाफ आंकड़े डराने वाले

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल भारतीय टीम के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं। भारत के खिलाफ उनका एकदिवसीय रिकॉर्ड बेहद शानदार है। उन्होंने 16 मुकाबलों में 72 की औसत से 938 रन बनाए हैं। इस दौरान चार शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं। साल 2026 में भी उनका बल्ला जमकर बोला है। छह मुकाबलों में वह 94 की औसत से 473 रन बना चुके हैं।

वनडे सीरीज में टीम इंडिया की असल परीक्षा

गेंदबाजी संयोजन पर नजर

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में एकतरफा बढ़त बनाने के बाद आखिरी दो मैचों में मेजबान टीम की जोरदार वापसी ने टीम इंडिया के न्यूज़ीलैंड दौरे को रोमांचक मोड़ पर ला खड़ा किया है। अब दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज बुधवार से शुरू होगी। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार सुबह 7.30 बजे खेले जाएंगे। टी-20 सीरीज में जीत-हार से इतर वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन और टीम संयोजन को लेकर हुई चर्चा के बाद वनडे फॉर्मेट में विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी भारतीय टीम के लिए सबसे अहम पहलू होगी।दरअसल, आगामी वनडे वर्ल्ड कप के मद्देनजर यह सीरीज टीम इंडिया के लिए अपनी तैयारियों को परखने का असली मौका है। क्रिकेट प्रेमियों के नजरिये से भले ही इस सीरीज को रो..को.. के वर्ल्ड कप तक के सफर की एक और कड़ी के रूप में देखा जा रहा हो, लेकिन टीम मैनजेमेंटऔर चयनकर्ताओं के लिए इसका महत्व इससे कहीं अधिक है। विदेशी सरजमीं में होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करना होगा। न्यूजीलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया को घरेलू मैदानों पर श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में वनडे सीरीज के जरिए टीम संयोजन और खिलाड़ियों की भूमिका तय करना बेहद जरूरी होगा।टी-20 के बाद वनडे फॉर्मेट में कप्तान और खिलाड़ियों के बदलने से टीम की रणनीति में भी बदलाव देखने को मिलेगा। हालांकि, न्यूजीलैंड की जमीन पर टीम इंडिया के बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए सीरीज चुनौतीपूर्ण रहेंगी। तेज हवाओं, उछाल और सीम मूवमेंट के बीच भारतीय खिलाड़ियों की तकनीक और हालात के हिसाब से ढलने की भी परीक्षा होगी। लेकिन इन तमाम पहलुओं के बीच टीम इंडिया की सबसे बड़ी चुनौती एक बार फिर संतुलित एकादश तैयार करने की रहेगी।असल समस्या हार्दिक पंड्या के प्रभावी विकल्प को लेकर है। लगातार प्रयोगों के बावजूद टीम इंडिया अब तक ऐसा खिलाड़ी तलाश नहीं कर पाई है, जो छठे नंबर पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी निभाने के साथ अपने कोटे के ओवर भी पूरे कर सके। किसी भी मजबूत वनडे टीम के लिए यह भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। यही वह कड़ी है, जिसकी कमी टीम इंडिया के दमदार संयोजन को प्रभावित कर रही है। नतीजतन एकादश में दो के बजाय तीन ऑलराउंडरों को शामिल करने और केवल तीन विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरने की रणनीति अपनानी पड़ रही है।व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया का टॉप 5 बल्लेबाजों का क्रम हमेशा मजबूत नजर आता है। रोहित और विराट जैसे अनुभवी बल्लेबाजों की मौजूदगी मध्यक्रम को भी मजबूती देती है। लेकिन सिर्फ मजबूत बल्लेबाजी के दम पर वर्ल्ड चैंपियन बनने की राह आसान नहीं हो सकती। यदि गेंदबाजी आक्रमण में पर्याप्त विविधता और गहराई नहीं होगी तो बड़े मुकाबलों में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।यह सही है कि कोई भी चैंपियन टीम लगातार जीत हासिल नहीं कर सकती, लेकिन जब बार-बार होने वाली हार के पीछे एक जैसी कमजोरी दिखाई दे तो उसे नजरअंदाज करना समझदारी नहीं होगी। टीम इंडिया के हालिया प्रदर्शन ने यह स्पष्ट किया है कि उसके गेंदबाजी संयोजन और ऑलराउंडर विकल्पों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में असल परीक्षा भी इसी मोर्चे पर होगी। सवाल सिर्फ 5 मैचों की सीरीज जीतने का नहीं, बल्कि उस मजबूत टीम की तलाश का है जो विदेशी सरजमीं पर होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खिताब की दावेदार बन सके।



आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

यूथ ओलंपिक में भारत को दोहरी सफलता

जूडो में खुशबू ने जीता रजत, तैराक धिनिधि ने कांस्य पर जमाया कब्जा

दकार , एजेंसी

यूथ ओलंपिक गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की युवा जूडो खिलाड़ी खुशबू राजकभाई ने महिलाओं के 63 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया, जबकि तैराकी में धिनिधि देसिंघु ने महिलाओं की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।

15 वर्षीय खुशबू राजकभाई ने महिलाओं के 63 किलोग्राम जूडो वर्ग के फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, खिताबी मुकाबले में उन्हें जर्मनी की जोलिना राइनहोल्ड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जर्मन खिलाड़ी ने महज 48 सेकंड में इप्पोन के जरिए मुकाबला अपने नाम कर लिया और खुशबू को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खुशबू यूथ ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारत



की दूसरी जूडो खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले 2018 में ब्यूनस आयर्स यूथ ओलंपिक में थांगजाम तबाबी देवी ने महिलाओं के 44 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था। खुशबू ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने राउंड ऑफ 16 में गिनी की मामाइसाटा कैमारा को 1-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में मोरक्को की अबीर बुआज्जाउई को इप्पोन से शिकस्त दी।सेमीफाइनल में खुशबू ने अल्जीरिया की दुनिया बेराहुआल को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

धिनिधि ने 100 मीटर फीस्टाइल में जीता कांस्य

तैराकी में 16 वर्षीय धिनिधि देसिंघु ने महिलाओं की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 56.27 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक हासिल किया। इस स्पर्धा में क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 55.89 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि न्यूजीलैंड की एलिसा लॉसन 56.13 सेकंड में रेस पूरी कर रजत पदक जीतने में सफल रहीं। धिनिधि ने फाइनल से पहले ही अपनी प्रतिभा का परिचय दे दिया था। उन्होंने हीट में 56.80 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया और फाइनल के लिए तीसरी सबसे तेज तैराक के रूप में क्वालीफाई किया था।

यशस्वी जायसवाल का पत्ता काटेंगे ईशान किशन?

2027 वर्ल्ड कप के लिए मिला तिहरी भूमिका वाला खिलाड़ी, चयनकर्ताओं की बढ़ी उलझन!

नई दिल्ली, एजेंसी

वनडे वर्ल्ड कप 2027 को लेकर टीम इंडिया की तैयारियां धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही हैं। अभी टूर्नामेंट में काफी समय बाकी है, लेकिन भारतीय टीम के चयनकर्ताओं के सामने खिलाड़ियों के चयन को लेकर दिलचस्प मुकाबला शुरू हो चुका है। इस रेस में अब विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का नाम तेजी से चर्चा में है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए उन्हें उपकप्तानी की जिम्मेदारी मिलना भी उनके बढ़ते कद का संकेत माना जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ईशान किशन अपनी बहुउपयोगिता के दम पर यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़ सकते हैं?

ईशान किशन की सबसे बड़ी ताकत उनकी बल्लेबाजी के साथ तीन अलग-अलग भूमिकाएं निभाने की



क्षमता है। वह टीम के लिए ओपनिंग कर सकते हैं, विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं और जरूरत पड़ने पर मिडिल ऑर्डर में भी उतर सकते हैं। वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में जहां केवल 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी जाती है, वहां ऐसे खिलाड़ियों की अहमियत बढ़ जाती है, जो एक से ज्यादा जिम्मेदारियां निभा सकें।

यशस्वी जायसवाल की बल्लेबाजी प्रतिभा पर कोई सवाल नहीं है। वनडे क्रिकेट की शुरुआती छह पारियों में दो शतक लगाने वाले वह भारत के इकलौते बल्लेबाज हैं। इसके बावजूद उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती टीम इंडिया का मौजूदा ओपनिंग कॉम्बिनेशन है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की जोड़ी को देखते हुए जायसवाल के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना आसान नहीं होगा। रोहित ने वनडे में शानदार बल्लेबाजी से अपनी दावेदारी मजबूत की है।

मिडिल ऑर्डर में भी ईशान का दमदार रिकॉर्ड

ईशान किशन केवल ओपनिंग के भरोसे रहने वाले बल्लेबाज नहीं हैं। वह मिडिल ऑर्डर में भी तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए उनकी 79 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी इसका उदाहरण है। ओपनर के रूप में नौ वनडे पारियों में उन्होंने 61.87 की औसत से रन बनाए हैं। वहीं अन्य बल्लेबाजी क्रमों पर भी उनका स्ट्राइक रेट 97.45 रहा है। उनका आक्रामक अंदाज और विकेटकीपिंग की क्षमता उन्हें चयनकर्ताओं के लिए उपयोगी विकल्प बनाती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद ईशान ने टी20 फॉर्मेट में भी शानदार प्रदर्शन किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी मुकाबले में उन्होंने महज 32 गेंदों पर 61 रन की विस्फोटक पारी खेलकर अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया। अब वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों में उनके प्रदर्शन पर नजर रहेगी। इन मुकाबलों में उन्हें उपकप्तानी की जिम्मेदारी भी मिली है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सेना की वर्दी छोड़ अब मॉडलिंग की दुनिया में छाए मेजर ऋषभ सांब्याल! 24 साल की हसीना संग दिखी केमिस्ट्री

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पूर्व एडीसी मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल एक बार फिर सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। अपनी शानदार पर्सनैलिटी और आकर्षक अंदाज से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले ऋषभ अब एक नए अवतार में नजर आ रहे हैं। भारतीय सेना से विदाई लेने के बाद उन्होंने फैशन की दुनिया में कदम रख दिया है। उनकी नई तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद इंटरनेट पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। खास बात यह है कि वह मशहूर अभिनेत्री अनुष्का सेन के साथ भी दिखाई दे रहे हैं।

मेजर ऋषभ सांब्याल ने भारतीय स्ट्रीटवियर ब्रांड बॉन्कर्स कॉर्नर के साथ साझेदारी की है। ब्रांड के आधिकारिक सोशल मीडिया मंच पर उनका फोटोशूट और प्रचार वीडियो साझा किया गया है। इन तस्वीरों में ऋषभ का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को



मिल रहा है। सैन्य वर्दी में अपनी अलग पहचान बनाने वाले ऋषभ अब आधुनिक और आरामदायक परिधानों में नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री अनुष्का सेन भी इस ब्रांड की प्रचार प्रतिनिधि हैं। दोनों की साथ में तस्वीरें और प्रचार वीडियो लोगों का ध्यान खींच रहे हैं।

30 साल की उम्र में छोड़ दी थी सेना- ऋषभ सांब्याल उस समय चर्चा में आए थे, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के एडीसी के रूप में उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। उनकी शानदार कद-काठी, अनुशासित व्यक्तित्व और आकर्षक व्यक्तित्व ने उन्हें रातोंरात इंटरनेट का पसंदीदा चेहरा बना दिया था। बताया जाता है कि उन्होंने निजी कारणों से महज 30 साल की उम्र में भारतीय सेना से संन्यास लेने का फैसला किया था। उनके इस निर्णय ने कई लोगों को हैरान कर दिया था।

बॉलीवुड में आने की सलाह

ऋषभ की नई तस्वीरों पर प्रशंसक जमकर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई उन्हें शानदार मॉडल बता रहा है तो कोई उनकी तुलना फिल्मी सितारों से कर रहा है। कई लोगों का मानना है कि उनकी दमदार पर्सनैलिटी उन्हें बॉलीवुड में भी पहचान दिला सकती है। एक प्रशंसक ने उन्हें बेहद प्रभावशाली मॉडल बताया, जबकि दूसरे ने कहा कि उनकी मौजूदगी ही किसी बड़े व्यक्तित्व का एहसास कराती है। हालांकि, ऋषभ का नया अंदाज हर किसी को पसंद नहीं आया। कुछ लोगों ने टिप्पणी करते हुए कहा कि वह सेना की वर्दी में ज्यादा अच्छे लगते थे। वहीं, उनके समर्थकों ने ट्रोल करने वालों को जवाब देते हुए कहा कि सेना छोड़ने के बाद भी उन्हें अपनी पसंद का करियर चुनने और अच्छी जिंदगी जीने का पूरा अधिकार है।

जिंदगी खूबसूरत है, उस पर भरोसा रखिए सूर्या ने फैंस को दिया प्रेरणादायक संदेश

मुंबई। दक्षिण भारतीय सुपरस्टार सूर्या की अपकमिंग फिल्म सीन सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेता का कहना है कि जिंदगी में किसी भी चीज को हार के तौर पर नहीं देखना चाहिए। दरअसल, हाल ही में फिल्म सीन के ट्रेलर लॉन्च का आयोजन किया गया था, जिसमें अभिनेता सूर्या ने अपने फैंस को प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा, ÷हम जो सोचते हैं, वैसे ही बनते भी हैं, लेकिन सिर्फ सोचने तक ही मत रहिए, बल्कि उसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कीजिए और जमीनी स्तर पर उसके लिए काम कीजिए।

उन्होंने आगे कहा, जिंदगी बहुत खूबसूरत है, उस पर भरोसा रखिए। मैं मानता हूं कि जब हम सांसें ले रहे हैं, तब तक हर चीज पर दोबारा विचार किया जा सकता है। हर चीज को बदला जा सकता है। जब तक सांसें चल रही हैं, तब तक हार नहीं माननी है, कुछ भी खत्म नहीं हुआ है और न ही टूटा है। आप सब कुछ ठीक कर सकते हैं, आप फिर से शुरुआत से शुरू करके चीजों को सही कर सकते हैं। जिंदगी पर भरोसा रखिए। जिंदगी खूबसूरत है। फिल्म की बात करें, तो इस फिल्म में सूर्या डीएसपी इनबराज नाम के एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो नियम तोड़ने



वाले और बागी अंदाज में नजर आएंगे। फिल्म में सूर्या के अलावा अभिनेत्री नाज़रिया फहद माया का किरदार निभा रही हैं। मलयालम एक्टर नासलेन एक खतरनाक, भावशून्य और साइको खलनायक ईश्वरन की भूमिका में नजर आएंगे। इनके अलावा आनंदराज, लाल और राजप्रियन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे वर्षों पहले अधूरा छोड़ा गया एक पुराना मामला (केस) फिर से खोलने के लिए मजबूर किया जाता है और उसे इस मिशन को सुलझाने के लिए एक अव्यवस्थित और परेशानी भरी टीम के साथ काम करना पड़ता है।



मेट्रो बाजार

अंबुजा सीमेंट्स क्षमता में 30 एमटीपीए का करेगा विस्तार 14,500 करोड़ रुपए होंगे खर्च

अहमदाबाद । अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने कहा कि उसने विस्तार के अगले चरण की योजना तैयार कर ली है। इसके तहत नए ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स के जरिए प्रमुख बाजारों में सीमेंट उत्पादन क्षमता 30 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) बढ़ाई जाएगी। इसके लिए करीब 14,500 करोड़ रुपए का कुल ग्रोथ कैपेक्स कार्यक्रम प्रस्तावित है।

अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा और भारत की प्रमुख बिल्डिंग मटेरियल सॉल्यूशन कंपनियों में से एक अंबुजा सीमेंट्स ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी भारत के तेजी से बढ़ते बाजारों में अपनी मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। कंपनी के पास फिलहाल देशभर में 24 इंटीग्रेटेड प्लांट और 24 ग्राइंडिंग यूनिट के जरिए 113.5 एमटीपीए की सीमेंट उत्पादन क्षमता है। अदाणी ग्रुप के सीमेंट कारोबार के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, ÷हमारे विस्तार का अगला चरण विकास की गुणवत्ता और अधिक संतुलित मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क तैयार करने पर केंद्रित है। क्लिंकर और ग्राइंडिंग क्षमता के बीच तालमेल मजबूत करने और तेजी से बढ़ते प्रमुख बाजारों के करीब विस्तार करने से हम अपने नेटवर्क में अधिक लचीलापन ला रहे हैं। प्रस्तावित विस्तार के बाद वित्त वर्ष 2030 तक कंपनी की सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़कर 155 एमटीपीए हो जाएगी।

रूसी तेल खरीद पर टैरिफ का खतरा घटा

भारतीय निर्यातकों को मिली बड़ी राहत, 500 अरब डॉलर के व्यापार का रास्ता होगा आसान

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस से जुड़े टैरिफ और प्रतिबंधों के मामले में रूसी मूल के तेल और गैस के प्रमुख खरीदारों को राहत देने के लिए उठाए गए कदम से भारतीय निर्यातकों को बड़ी राहत मिली है। इससे भारतीय कारोबारियों के बीच बना अनिश्चितता का माहौल कम होने और अमेरिका के साथ व्यापार को नई रफ्तार मिलने की संभावना है।



टाइम्स कुवैत की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेश से भारत के निर्यात कारोबार को फायदा मिल सकता है। रूस से ऊर्जा खरीद के कारण भारतीय निर्यात पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने का खतरा बना हुआ था। नए फैसले से इस आशंका में कमी आई है। इससे भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजार में कारोबार जारी रखने और नए व्यावसायिक अवसर तलाशने का भरोसा मिलेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस फैसले से भारत-अमेरिका के बीच 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिल सकती है। व्यापारिक अनिश्चितता घटने से दोनों देशों की कंपनियां नए अनुबंधों, निवेश और शिपमेंट की योजना अधिक भरोसे के साथ बना सकेंगी। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होने की भी उम्मीद है। इस राहत का सबसे ज्यादा सकारात्मक असर इंजीनियरिंग उत्पादों, औद्योगिक मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ सकता है।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर खास सुरंग: न भूस्खलन की फिक्र, ना बर्फबारी की टेंशन...



श्रीनगर। एजेंसी

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर सफर करने वाले वाहन चालकों को भूस्खलन और पहाड़ों से गिरने वाले पत्थरों के खतरे से राहत मिलेगी। हालांकि, इसमें थोड़ा समय लगेगा। रामबन-बनिहाल मार्ग के सबसे संवेदनशील हिस्सों को सुरक्षित बनाने के लिए बनाई जा रही डिगडोल-मरोग ट्विन ट्यूब टनल का निर्माण चार साल से अधिक समय बीतने के बावजूद महज 36 प्रतिशत पूरा हुआ है। मौजूदा रफ्तार जारी रही तो बैटरी चश्मा मोड़, मंकी मोड़ और अनोखीफॉल जैसे खतरनाक स्थानों से पूरी राहत के लिए वर्ष 2030 तक इंतजार करना पड़ सकता है।

सुंरग की लंबाई 4.38 किलोमीटर

करीब 4.38 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का ठेका नवंबर 2021 में दिया गया था और अगस्त 2022 में निर्माण शुरू हुआ था। इसे अगस्त 2025 तक पूरा किया जाना था, लेकिन समयसीमा चूकने के बाद लक्ष्य 30 जून 2027 कर दिया गया। अब तक केवल 36 प्रतिशत काम पूरा होने से इस समयसीमा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। परियोजना में जम्मू और श्रीनगर की ओर जाने के लिए दो अलग-अलग ट्यूब, दोनों तरफ एप्रोच रोड और अतिरिक्त 0.6 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है। इसके पूरा होने से लगभग पांच किलोमीटर के संवेदनशील हाईवे हिस्से को बाइपास किया जा सकेगा।

2028 तक रखा गया लक्ष्य

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक शुभम यादव ने बताया कि जम्मू की ओर जाने वाली टनल को दिसंबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि दोनों ट्यूब का निर्माण 2029 के अंत तक पूरा करने की योजना है। हालांकि, परियोजना से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि काम की मौजूदा गति रही तो समयसीमा 2030 तक खिसक सकती है। रामबन-बनिहाल मार्ग पर वर्ष 2015 में फोरलेन निर्माण शुरू हुआ था। शुरुआती चरण में बड़े पैमाने पर पहाड़ों की कटाई की गई, जिससे ढलान कमजोर हुए और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ीं। अधिकारियों ने जमीन की बनावट और पर्यावरण की जांच में कमियों और ढलानों को स्थिर करने के अपर्याप्त इंतजामों को भी समस्या की वजह बताया। इसी कारण कई स्थानों पर सड़क की प्रस्तावित दिशा बदलकर सुरंगों और पुलों के माध्यम से सुरक्षित रास्ता तैयार करने का फैसला हुआ। परियोजना की धीमी रफ्तार के पीछे कठिन जमीन की बनावट, ठेकेदार की सुस्ती, मशीनरी और श्रमिकों की तैनाती में देरी, स्थानीय बाधाएं तथा बेमौसम बारिश जैसे कारण भी गिनाए गए हैं।

न्यूज विंडो

जम्मू और कश्मीर में भूकंप: 3.1 तीव्रता से किश्तवाड़ में हिली धरती

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 3.1 तीव्रता का हल्का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार रात 11:56 बजे यह भूकंप महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सोमवार रात 11:56 बजे आया था। इसकी गहराई पांच किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र किश्तवाड़ जिले में स्थित था। यह अक्षांश 33.292 डिग्री उत्तर और देशांतर 75.892 डिग्री पूर्व पर था। केंद्र शासित प्रदेश में जान-माल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट दाखिल होने तक किसी भी संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं थी। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटके हल्के थे। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

पीआरटीसी बस चालक ने रांग साइड से बाइक सवार को कुचला

बठिंडा। बठिंडा-मलोट रोड पर बल्लुआणा टोल प्लाजा के पास सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार किशोर की जान चली गई। आरोप है कि एक सरकारी पीआरटीसी बस का चालक गलत दिशा में बस चला रहा था। इसी दौरान बस ने सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार किशोर को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव करमगढ़ सत्तरा निवासी सुखमनदीप सिंह पुत्र राम कृष्ण के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुखमनदीप सिंह बल्लुआणा में ट्यूशन पढ़ने गया हुआ था। वह ट्यूशन से छुट्टी होने के बाद मोटरसाइकिल पर अपने गांव करमगढ़ सत्तरा लौट रहा था। इसी दौरान बल्लुआणा टोल प्लाजा के नजदीक गलत दिशा से आ रही पीआरटीसी बस ने उसके मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में सुखमनदीप की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक मौके पर रुकने के बजाय बस लेकर फरार हो गया।

अंबाला कैंट में आधी रात हंगामा मंदिर के महंत से की बदसलूकी

अंबाला। अंबाला छावनी में सोमवार देर रात उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब प्रसिद्ध हाथी खाना मंदिर के महंत के साथ कथित अभद्रता के विरोध में कई शिव भक्त और स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए। आक्रोशित लोगों ने डॉग लवर वंशिका लाम्बा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हाउसिंग बोर्ड पुलिस चौकी का घेराव किया। प्रदर्शन का यह सिलसिला देर रात करीब एक बजे तक बदस्तूर जारी रहा, जिसमें स्थानीय संतों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले हाथी खाना मंदिर परिसर में मौजूद लावारिस कुत्ते के पिल्लों को मंदिर प्रबंधन द्वारा किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर भिजवा दिया गया था। श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इसी बात से खफा होकर तथाकथित डॉग लवर वंशिका लाम्बा ने मंदिर के महंत के साथ तीखी बहस की और उनके साथ घोर अभद्रता की। धार्मिक स्थल के प्रमुख के साथ हुए इस दुर्व्यवहार की खबर फैलते ही श्रद्धालुओं में गहरा रोष फैल गया।

हमले में गुजरात के नाविक की मौत; 13 बचाए गए

ओमान के पास भारतीय झंडा लगे मालवाहक जहाज पर हमला

मस्कट। एजेंसी

ओमान के तट के पास भारतीय ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर हवाई हमला हुआ है। इस हमले में जहाज पर सवार एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि 13 को सुरक्षित बचा लिया गया है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि जहाज कुल 14 भारतीय नाविकों को लेकर जा रहा था, तभी एक अज्ञात उड़ती हुई एरियल ऑब्जेक्ट ने निशाना बनाया।

सोमवार के हमले में एक नाविक की मौत: केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, यह घटना 2 नवंबर को एमएसवी अल युसूफी नामक मालवाहक पोत के साथ हुई। हमले के बाद ओमान कोस्ट गार्ड ने तत्परता दिखाते हुए 13 नाविकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, गुजरात के रहने वाले नाविक गांधार नाहिम अजीज गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्होंने दम तोड़ दिया।



शव वापस लाने की प्रक्रिया शुरू

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर नाविक की मौत पर गहरा दुख जताया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मंत्रालय और ओमान स्थित भारतीय दूतावास वहां के स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। जीवित बचे 13 नाविकों को तत्काल हर संभव सहायता मुहैया कराई जा रही है और मृतक के पार्थिव शरीर समेत सभी नाविकों को जल्द से जल्द भारत वापस लाने की व्यवस्था की जा रही है।

मध्य पूर्व के तनाव का भारतीय नाविकों पर असर

अमेरिका-ईरान तनाव और क्षेत्र में जारी हमलों के बीच भारतीय ध्वज वाले जहाजों पर सीधे हमले की घटनाएं आमतौर पर कम ही देखने को मिलती हैं। बावजूद इसके, खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में चल रहे संघर्ष का भारतीय नाविकों पर बड़ा असर पड़ा है। होर्मुज इस संघर्ष का मुख्य केंद्र बना हुआ है, जहां वाणिज्यिक जहाज मिसाइल और ड्रोन हमलों की चपेट में आ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल फरवरी में ईरान पर हुए हमलों के बाद से अब तक खाड़ी क्षेत्र में कम से कम 22 भारतीय नागरिकों की जान जा चुकी है, जिनमें 14 नाविक शामिल हैं।

नेकां से नाता तोड़ेंगे रुहुल्ला उमर सरकार की मुश्किलें बढ़ी

बडगाम। एजेंसी



जम्मू-कश्मीर की सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) में अंदरूनी कलह लगातार गहराती जा रही है। पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के बीच सांसद आगा रुहुल्ला मेहदी मंगलवार को अपने इस्तीफे के फैसले पर अडिग हैं। वहीं, वरिष्ठ नेता मुबारक गुल बुधवार को अपने अगले कदम का खुलासा कर सकते हैं। पार्टी के 25 विधायकों की नाराजगी और अलग रास्ता अपनाने की चेतावनी ने नेकां नेतृत्व की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

श्रीनगर से लोकसभा सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और अपनी संसदीय सदस्यता से इस्तीफा देने जा रहे हैं। उनके इस फैसले से पहले बडगाम के बेहिश्त-ए-जहरा पार्क में तैयारियां तेज हो गई हैं। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और समर्थक वहां जुटने लगे हैं। रुहुल्ला अपने दिवंगत पिता आगा सैयद मेहदी की बरसी के मौके पर जनसभा को संबोधित करेंगे और अपने फैसले को सार्वजनिक रूप से अमल में लाएंगे। रुहुल्ला ने पार्टी नेतृत्व पर चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनाव में अनुच्छेद 370 की बहाली, कुछ कैदियों की रिहाई और लोगों के अधिकारों की सुरक्षा जैसे वादे किए थे लेकिन सत्ता में आने के बाद इन पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनका इस्तीफा किसी व्यक्तिगत नाराजगी या पद नहीं मिलने के कारण नहीं, बल्कि सिद्धांतों और जनता के प्रति जवाबदेही के आधार पर है। रुहुल्ला ने राजनीतिक खरीद-फरोख्त की अटकलों को भी खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनका किसी तरह की हॉर्स ट्रेडिंग से कोई लेना-देना नहीं है।

पति का नाम होने पर भी जाति प्रमाणपत्र मान्य- पटना हाईकोर्ट

पटना। विवाहित महिला अभ्यर्थियों के आरक्षण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में पटना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज होने से प्रमाणपत्र अमान्य नहीं हो जाता। अदालत ने कहा कि जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर होता है और प्रमाणपत्र केवल इसकी पुष्टि करने वाला दस्तावेज है। न्यायालय ने बिहार लोक सेवा आयोग की अपील खारिज करते हुए अजा महिला वर्ग की अभ्यर्थी डॉ. सुषमा शरण को सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्त करने का निर्देश दिया है। न्यायाधीश मोहित कुमार शाह और न्यायाधीश सौरेंद्र पांडेय की खंडपीठ ने एकलपीठ के पूर्व फैसले को सही ठहराते हुए बिहार लोक सेवा आयोग की अपील खारिज कर दी। अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह डॉ. सुषमा शरण को अनुसूचित जाति आरक्षण के आधार पर सहायक प्राध्यापक पद पर तत्काल नियुक्ति प्रदान करे। खंडपीठ ने कहा कि जब भर्ती के मूल विज्ञापन में जाति प्रमाणपत्र पर पिता का नाम दर्ज होना अनिवार्य नहीं किया गया था।

जन्मदिन की रात युवती ने बुलाया, पथराव के बाद युवक पर चलाई गोलियां

लुधियाना। लुधियाना के व्यस्तम इलाकों में से एक शिंगार सिनेमा रोड पर जन्मदिन की खुशियां उस वक्त दहशत में बदल गईं, जब हरचरन नगर में एक युवक की थार गाड़ी पर युवकों ने धावा बोल दिया। फोन कर मौके पर बुलाए गए पीड़ित को 25 से 30 युवकों की भीड़ ने चारों तरफ से घेर लिया। हमलावरों ने पहले गाड़ी पर ईंट-पत्थरों की बरसात कर दी और उसके बाद 15 से 20 राउंड अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। गनीमत यह रही कि कोई गोली युवक के शरीर पर नहीं लगी। पंक्चर टायरों के बावजूद युवक गाड़ी दौड़ाकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा।

बिहार में डीपीओ के चार ठिकानों पर छापेमारी आय से 80% अधिक संपत्ति की संभावना

किशनगंज। एजेंसी



बिहार के किशनगंज में आर्थिक अपराध इकाई (श्वह) ने शिक्षा विभाग की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (ष्ठक्कह) रूबी कुमारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई शुरू की है। मंगलवार सुबह श्वह की विशेष टीमों ने किशनगंज और कटिहार में उनके चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इनमें किशनगंज स्थित किराए का मकान और शिक्षा विभाग के कार्यालय में उनका चेंबर भी शामिल है। प्रारंभिक जांच में रूबी कुमारी के पास घोषित और वैध आय से करीब 80 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने की बात सामने आने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। विशेष न्यायालय से सर्च वारंट मिलने के बाद आर्थिक अपराध इकाई की टीमों ने मंगलवार सुबह छापेमारी शुरू की। किशनगंज में एक टीम रूबी कुमारी के किराए के मकान पर पहुंची, जबकि दूसरी टीम समग्र शिक्षा अभियान के कार्यालय स्थित उनके चेंबर में तलाशी ले रही है। स्थानीय पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों स्थानों को सुरक्षा घेरे में लिया गया है।

मेट्रो एंकर छत्तीसगढ़ के महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को रायपुर लाया जाएगा

सीबीआई को 'मास्टर माइंड' की ट्रांजिट रिमांड की मिली अनुमति

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ के महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर के दो दिन के ट्रांजिट रिमांड की सीबीआई को मंजूरी मिल गई है। सीबीआई आज मंगलवार को सौरभ चंद्राकर को रायपुर लायेगी। दोपहर या शाम तक उसे रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश करेगी, जहां से सौरभ को रिमांड पर लेने की मांग कर सकती है। इसके बाद सीबीआई आरोपी से महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में पूछताछ कर कई अहम खुलासे कर सकती है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार में पांच साल तक राज्य में सीबीआई के बैन के बाद दिसंबर 2023 में सूबे में सत्ता बदलने के बाद बीजेपी सरकार ने राज्य में पांच से लगे बैन को हटा दिया था। पांच साल बाद छत्तीसगढ़ में सीबीआई ने दस्तक दी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की सीजीपीएससी 2021 की भर्ती में हुई अनिमितता और बिरनपुर हिंसा मामले के बाद महादेव एप घोटाले के जांच की कमान संभाली। सीबीआई ने महादेव बेटिंग एप ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में फरार मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर की फाइल खोली और जांच शुरू की।



भूपेश सरकार में शुरू हुई थी जांच

अक्टूबर 2022 में कांग्रेस की भूपेश सरकार के दौरान ईडी ने महादेव सट्टा एप मामले की जांच शुरू की थी। दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर में पुलिस ने पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। इन्हीं केस के आधार पर ईडी ने मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज कर जांच की फाइल को आगे बढ़ाया था।

कौन है आरोपी सौरभ चंद्राकर?

सौरभ चंद्राकर छत्तीसगढ़ के भिलाई का रहने वाला है। वह पहले भिलाई में जूस फैक्ट्री नाम से एक दुकान चलाता था। उसके पिता नगर निगम में पंप ऑपरेटर थे। सौरभ की एक जूस की दुकान थी। इससे पहले वह कपड़े की दुकान में काम करता था। साल 2017 में उसने ऑनलाइन सट्टे का कारोबार शुरू किया। इसके बाद 2019 में वह दुबई चला गया और वहां से इस कारोबार को तेजी से बढ़ाया।अपने दोस्त रवि उत्पल को भी बुलाया। इसके बाद उसने महादेव ऐप लांच किया और देशभर में क्रिकेट, फुटबॉल और ताश के खेलों पर ऑनलाइन सट्टे का जाल बिछाया। सीबीआई के अनुसार, यह देश का सबसे बड़ा अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क था, जो विदेश से चल रहा था। उस पर साल 2021 के आईपीएल के दौरान 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का सट्टा चलाने का आरोप है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इसी कारोबार से उसने करोड़ों रुपये की संपत्ति बनाई। वहीं, ईडी ने इस मामले में अब तक 4,336 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। सौरभ चंद्राकर साल 2019 से फरार था और उस पर करीब 5,000 करोड़ रुपये के ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क से जुड़े आरोप हैं। सौरभ ने रवि उप्पल के साथ मिलकर महादेव बेटिंग ऐप शुरू किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524